राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण सोमवार,26 जुलाई-2021 वर्ष-4, अंक - 183 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राजस्थान में अशोक गहलोत की नहीं चलेगी? कैबिनेट फेरबदल पर कांग्रेस हाईकमान ही लेगा फाइनल फैसला

जयपुर। पंजाब कांग्रेस में कलह खत्म होने के बाद अब राजस्थान में सियासी हलचल तेज हो गई है। राजस्थान में कैबिनेट विस्तार और फेरबदल की सुगबुगाहट के बीच कहा जा रहा है कि कैबिनेट फेरबदल पर अंतिम फैसला पार्टी हाईकमान ही करेगा। पार्टी सूत्रों ने कहा कि राजस्थान में कैबिनेट फेरबदल के मुद्दे पर अंतिम फैसला कांग्रेस आलाकमान पर छोड़ दिया गया है और माना जा रहा है कि अगले कुछ दिनों में गहलोत सरकार का विस्तार होगा। राजस्थान में तेज हुई सियासी हलचल के बीच कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल और अजय माकन शनिवार को राजस्थान पहुंचे। वेणुगोपाल और माकन ने शनिवार देर रात राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ उनके आवास पर कैबिनेट फेरबदल और राजनीतिक नियुक्तियों के मुद्दों पर चर्चा की। बता दें कि अगले कुछ दिनों में कैबिनेट विस्तार होने की संभावना है। सूत्रों ने बताया कि चर्चा के बाद नेताओं ने कैबिनेट फेरबदल को लेकर अंतिम फैसला पार्टी आलाकमान पर छोड़ दिया। सूत्रों ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया, वेणुगोपाल, अजय माकन और अशोक गहलोत के बीच यह बैठक करीब ढाई घंटे तक चली, जिसके दौरान कैबिनेट फेरबदल और राजनीतिक नियुक्तियों पर चर्चा हुई। फेरबदल के बारे में अंतिम फैसला पार्टी आलाकमान पर छोड़ दिया गया है। वर्तमान में मुख्यमंत्री सहित अशोक गहलोत मंत्रिपरिषद में 21 सदस्य हैं और नौ पद अब भी खाली हैं। बता दें कि राजस्थान में अधिकतम 30 मंत्री हो सकते हैं। पंजाब के बाद पार्टी आलाकमान का अब पूरा फोकस राजस्थान पर ही है, जहां पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के नेतृत्व वाले खेमे में नाराजगी की खबरों के बाद कैबिनेट विस्तार और राजनीतिक नियुक्तियों की मांगों ने गति पकड़ी है। बता दें कि पिछले साल 18 विधायकों के साथ सचिन पायलट ने गहलोत के नेतृत्व का विद्रोह किया था।

पीएम की मन की बात

विक्ट्री पंच के साथ ओलिंपिक जाने वाले खिलाड़ियों को चीयर करें, देशभक्ति की भावना हमें आपस में जोड़ती है

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रेडियो कार्यक्रम मन की बात के जरिए देश को संबोधित कर रहे हैं। यह इस प्रोग्राम का 79वां एपिसोड है। मोदी ने कहा, %दो दिन पहली की कुछ यादगार पल मेरी आंखों के सामने हैं। टोक्यो में भारतीय खिलाड़ियों को देखकर पूरा देश रोमांचित हो उठा था। पूरे देश ने इनसे कहा कि विजयी भवः। आज उनके पास आपके प्यार और सपोर्ट की ताकत है। सोशल मीडिया पर इनके सपोर्ट के विक्ट्री पंच कैम्पेन शूरू हो चुका है।

जो देश के लिए तिरंगा उठाता है। देश भक्ति की यह भावना हमें जोड़ती है। कल करगिल विजय दिवस भी है। यह भारत की सेना के शौर्य का प्रतीक है। मैं चाहूंगा कि आप करगिल की गाथा जरूर पढ़े। वीरों को नमन करें।

आजादी के 75 साल का साक्षी बनना सौभाग्य की बात

इस साल देश आजादी के 75वें साल में प्रवेश कर रहा है। ये हमारा बहुत बड़ा सौभाग्य है कि जिस आजादी के लिए देश ने सदियों का इंतजार किया, उसके 75 वर्ष होने के हम साक्षी बन रहे हैं। आपको याद होगा, आजादी के 75 साल मनाने के लिए, 12 मार्च को बापू के साबरमती आश्रम से 'अमृत महोत्सव' की शुरूआत हुई थी। इसी दिन बापू की दांडी यात्रा को भी पुनर्जीवित किया गया था, तब से जम्मू-कश्मीर से लेकर पुडुचेरी तक, गुजरात से लेकर पूर्वोत्तर तक, देश भर में अमृत महोत्सव से जुड़े कार्यक्रम चल रहे हैं।

संस्कृति मंत्रालय के राष्ट्रगान अभियान से जुड़ने की अपील

कितने ही स्वाधीनता सेनानी और महापुरुष हैं, जिन्हें 'अमृत महोत्सव' में देश याद कर रहा है। सरकार और सामाजिक संगठनों की तरफ से भी लगातार इससे जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। ऐसा ही एक आयोजन

● साल 2014 के बाद से ही मन की बात में हम अक्सर खादी की बात करते हैं । ये आपका ही प्रयास है कि आज देश में खादी की बिक्री कई गुना बढ़ गई है। क्या कोई सोच सकता था कि खादी के किसी स्टोर से एक दिन में एक करोड़ रुपए से अधिक की बिक्री हो सकती है !, लेकिन आपने ये भी कर दिखाया है। आप जब भी कहीं पर खादी का कुछ खरीदते हैं, तो इसका लाभ, हमारे गरीब बुनकर भाइयों-बहनों को ही होता है।

इस बार 15 अगस्त को होने जा रहा है, ये एक प्रयास है - राष्ट्रगान - से जुड़ा हुआ। सांस्कृतिक मंत्रालय की कोशिश है कि इस दिन ज्यादा से ज्यादा भारतवासी मिलकर राष्ट्रगान गाएं, इसके लिए एक वेबसाइट भी बनाई गई है - rashtragaan.in इसकी मदद से आप राष्ट्रगान गाकर, उसे रिकॉर्ड कर पाएंगे, इस अभियान से जुड़ पाएंगे। मुझे उम्मीद है, आप इस अनोखी पहल से जरूर जुड़ेंगे।

आजादी का अमृत महोत्सव राजनीतिक कार्यक्रम नहीं

'अमृत महोत्सव' किसी सरकार का कार्यक्रम नहीं, किसी राजनीतिक दल का कार्यक्रम नहीं, यह कोटि कोटि भारतवासियों का कार्यक्रम है। हर स्वतंत्र और कृतज्ञ भारतीय का अपने स्वतंत्रता सेनानियों को नमन है और इस महोत्सव की मूल भावना का विस्तार तो बहुत विशाल है - ये भावना है, अपने स्वाधीनता सेनानियों के मार्ग पर चलना, उनके सपनों का देश बनाना । जैसे, देश की आजादी के मतवाले, स्वतंत्रता के लिए एकजुट हो गए थे, वैसे ही हमें देश के विकास के लिए एकजुट होना है। हमें देश के लिए जीना है, देश के लिए काम करना है और इसमें छोटे- छोटे प्रयास भी बड़े नतीजे ला देते हैं।

मोदी ने फिर वोकल फॉर लोकल का नारा दोहराया

रोज के कामकाज करते हुए भी हम राष्ट्र निर्माण कर सकते हैं, जैसे वोकल फॉर लोकल। हमारे देश के स्थानीय उद्यमियों, आर्टिस्टों, शिल्पकारों, बुनकरों को सपोर्ट करना, हमारे सहज स्वभाव में होना चाहिए। 7 अगस्त को आने वाला नेशनल हैंडलूम डे, एक ऐसा अवसर है जब हम प्रयास पूर्वक भी ये काम कर सकते हैं । इस दिन के साथ बहुत ऐतिहासिक पृष्ठभूमि जुड़ी हुई है। इसी दिन, 1905 में स्वदेशी आंदोलन की शुरूआत हुई थी। हमारे देश के ग्रामीण और आदिवासी इलाकों में हैंडलूम कमाई का बहुत बड़ा साधन है । ये ऐसा क्षेत्र है जिससे लाखों महिलाएं, लाखों बुनकर, लाखों शिल्पी जुड़े हुए हैं । आपके छोटे-छोटे प्रयास, बुनकरों में एक नई उम्मीद जगाएँगे। आप स्वयं कुछ-न-कुछ खरीदें, और अपनी बात दूसरों को भी बताएं और जब हम आजादी के 75 साल मना रहे हैं, तब तो, इतना करना हमारी जिम्मेवारी बनती ही है भाइयो।

अर्थव्यवस्था दस गुना बढ़ी लेकिन आर्थिक सुधारों का सभी को नहीं मिला लाभ

नई दिल्ली। भारत के सबसे रईस व्यक्ति व उद्योगपति मुकेश अंबानी का कहना है कि आर्थिक सुधारों के तीन दशक में देश ने कई मामलों में बहुत प्रगति की, लेकिन सभी नागरिकों को इसका लाभ नहीं मिला। एक अखबार के कॉलम में अंबानी ने लिखा कि उदारीकरण के 30 वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था 10 गुना बढ़ चुकी है। उन्होंने कहा, हम 'अभावों की अर्थव्यवस्था' से आज 'सुलभता की अर्थव्यवस्था' बन चुके हैं। लेकिन, आने वाले वक्त में अर्थव्यवस्था को सभी के लिए समृद्धि लाने वाला बनाना होगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि 2047 तक भारत की अर्थव्यवस्था चीन व अमेरिका के समकक्ष खड़ी होगी। अंबानी ने लिखा, 1991 ने भारत को वह हिम्मत व दूरदर्शिता दी, जिसने अर्थव्यवस्था की दिशा और निर्धारक तत्व तय किए। सरकार ने निजी क्षेत्र को अर्थव्यवस्था में वह निर्णायक भूमिका दी, जो उसके पूर्ववर्ती 40 वर्षों तक सार्वजनिक क्षेत्र की थी। लाइसेंस और कोटा राज खत्म हुआ, कारोबार व उद्योगों के लिए उदार व मुक्त पूंजी बाजार की नीतियां लाई गईं। वित्तीय उदारीकरण से भारतीयों की उद्यमिता ने प्रगति को तेजी और ऊर्जा दी। आबादी तीन दशक में भले ही 88 करोड़ से 138 करोड़ हो गई, पर हमने गरीबी आधी कर दी और विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भी बने। हमारे हाईवे, एयरपोर्ट, बंदरगाह आज विश्व स्तर के हैं।

स्वतंत्रता के 100वें वर्ष का उत्सव लक्ष्य में रखें-अंबानी ने कहा, आज हम उस समय की कल्पना नहीं कर सकते जब टेलीफोन या गैस कनेक्शन के लिए कई वर्ष इंतजार करते था। कंप्यूटर खरीदने के लिए सरकार से अनुमति लेते थे। वे कहते हैं कि 2047 के लिए हमारा लक्ष्य अमेरिका और चीन के समकक्ष विश्व की तीन सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनना होना चाहिए। यही हमारी स्वतंत्रता के 100वें वर्ष का उत्सव होगा।

आगे रास्ता मुश्किल, भटकना नहीं है-अंबानी ने कहा, आगे रास्ता मुश्किल है, महामारी व कई अनावश्यक मुद्दे ध्यान खींचेंगे और हमारी ऊर्जा खर्च करेंगे। हमें भटकना नहीं है। हमारे सामने अपने बच्चों और युवाओं के प्रति नए अवसर और जिम्मेदारी हैं।

UNSC के सदस्यों के बीच के मतभेदों से कैसे निपटेगा भारत? तिरुमूर्ति ने दिया यह जवाब

नई दिल्ली। संयुक्त राष्ट्र में भारत के राजदूत ने कहा है कि स्वतंत्र विदेश नीति वाले भारत जैसे बड़े देश का सुरक्षा परिषद में प्रवेश स्वागत योग्य रहा है। देश ने संयुक्त राष्ट्र के इस शक्तिशाली निकाय के पांच स्थायी सदस्यों और उनके बीच गतिरोधों के दौरान तुलनात्मक रूप से अत्यंत जरूरी संतुलन प्रदान किया है। भारत एक अगस्त से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अध्यक्षता करेगा जो 15 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र निकाय के अस्थायी सदस्य के तौर पर 2021-2022 कार्यकाल में उसकी पहली अध्यक्षता होगी। भारत अपने दो वर्ष के कार्यकाल के आखिरी महीने यानी अगले साल दिसंबर में फिर से परिषद की अध्यक्षता करेगा। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि टी एस तिरुमूर्ति ने पीटीआई से विशेष साक्षात्कार में कहा, हम सुरक्षा परिषद में बहुत अहम मोड़ पर हैं जहां हम न सिर्फ अभूतपूर्व कोविड-19 वैश्विक महामारी से जूझ रहे हैं बल्कि सुरक्षा परिषद के भीतर और बाहर गतिरोधों से भी निपट रहे हैं। इसे व्यक्तिगत पहल के बजाय अधिक सामूहिक प्रयासों के जरिए दूर करना होगा। उनसे पूछा गया कि परिषद अध्यक्ष के तौर पर भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद

(यूएनएससी) के सदस्यों के बीच के मतभेदों से कैसे निपटेगा, जब संयुक्त राष्ट्र निकाय कई मुद्दों पर बंटा हुआ है तो तिरुमूर्ति ने कहा कि भारत सुरक्षा परिषद में अपने पिछले सात महीनों के कार्यकाल के दौरान कई तरह के मुद्दों पर सैद्धांतिक रुख लेने में नहीं हिचकिचाया है। उन्होंने कहा, हम जिम्मेदारी लेने से भी पीछे नहीं हटे हैं।

उन्होंने कहा, सबसे पहले तो, भारत जितने बड़े देश का अपनी स्वतंत्र विदेश नीति के साथ परिषद में प्रवेश स्वागत योग्य रहा है। इसने परिषद के पांच स्थायी सदस्यों और उनके आपस के मतभेदों के दौरान तुलनात्मक रूप से अधिक संतुलन बनाने का काम किया है। तिरुमूर्ति वीटो शक्ति प्राप्त पांच सदस्यों - चीन, फ्रांस, रूस, अमेरिका और ब्रिटेन का जिक्र कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत वह पुल रहा है जिसने सुनिश्चित किया है कि परिषद का ध्रुवीकरण उसके सुविचारित दृष्टिकोण की क्षमता को प्रभावित न करे। तिरुमूर्ति ने अन्य बातों के साथ-साथ म्यांमा और अफगानिस्तान से संबंधित भारत के पड़ोसियों के मुद्दों का उदाहरण दिया, जहां, समय-समय पर, हमने यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए हैं कि परिषद की चर्चा और परिणाम जमीनी स्थिति पर आधारित, दूरगामी दृष्टिकोण वाला और संवेदनशील हों।

मोबाइल की तरह बदल पाएंगे बिजली कनेक्शन, नया कानून लाने जा रही है मोदी सरकार

नई दिल्ली। अगले कुछ दिनों में इलेक्ट्रिसिटी (अमेंडमेंट) बिल, 2021 को मोदी कैबिनेट में मंजूरी के लिए रखा जा सकता है, जिसमें यह प्रवाधान है कि उपभोक्ता बिजली का कनेक्शन ठीक उसी तरह बदल पाएंगे जिस तरह मोबाइल कनेक्शन को पोर्ट कर सकते हैं। इससे बिजली उभोक्ताओं को बेहतर सुविधा मिली तो कंपनियों में प्रतिस्पर्धा का भी उन्हें फायदा मिलेगा। सरकार के एक सूत्र ने कहा, बिजली (संशोधन) विधेयक, 2021 को अगले कुछ दिन में केंद्रीय मंत्रिमंडल के सामने विचार और मंजूरी के लिए रखा जा सकता है। सरकार का इरादा इस विधेयक को संसद के मॉनसून सत्र में लाने का है। मॉनूसन सत्र 13 अगस्त, 2021 को संपन्न होगा। लोकसभा के 12 जुलाई, 2021 को जारी बुलेटिन के अनुसार, सरकार ने मौजूदा संसद सत्र में जिन नए 17 विधेयकों को पेश करने के लिए सूचीबद्ध किया है उनमें बिजली (संशोधन) विधेयक भी शामिल है।

बुलेटिन में कहा गया है कि बिजली कानून में प्रस्तावित संशोधनों से वितरण कारोबार से लाइसेंसिंग समाप्त होगी और इसमें प्रतिस्पर्धा आएगी। साथ ही इसके तहत प्रत्येक आयोग में कानूनी पृष्ठभूमि के सदस्य की नियुक्ति जरूरी होगी। इसके अलावा इसमें बिजली अपीलीय न्यायाधिकरण (एप्टेल) को मजबूत करने और नवीकरणीय खरीद प्रतिबद्धता (आरपीओ) को पूरा नहीं करने पर जुर्माने का प्रावधान भी होगा।

दिल्ली के अस्पताल में हुआ दो गर्भाशय वाली महिला का सफल ऑपरेशन, दुनिया भर में केवल ऐसे 60 केस

नई दिल्ली। दिल्ली में एक निजी अस्पताल के डॉक्टरों ने हाल ही में दो गर्भाशय वाली 30 एक वर्षीय महिला का सफल ऑपरेशन किया। यह एक दुर्लभ स्थिति होती है, जिससे महिलाओं को विशेष रूप से माहवारी के दौरान तेज दर्द होता है।

फोर्टिस अस्पताल, वसंत कुंज के सामान्य और लेप्रोस्कोपिक सर्जरी विभाग के निदेशक डॉ. अमित जावेद ने कहा कि यह स्थिति इतनी दुर्लभ है कि इस साल फरवरी तक दुनिया भर में केवल 60 ऐसे मामले सामने आए। उन्होंने कहा कि केस स्टडी को जर्नल ऑफ मिनिमल एक्सेस सर्जरी में प्रकाशित करने के लिए स्वीकार कर लिया गया है।

डॉक्टर ने कहा कि इस समस्या के बारे में ज्यादा जागरूकता नहीं है। इस स्थिति के कारण मासिक धर्म के दौरान पीड़ा बढ़

जाती है। माहवारी में पीड़ा को एक सामान्य घटना माना जाता है। महिलाएं प्रायः इसे अनदेखा कर देती हैं और पीड़ा को उसमें पथरी होने का संकेत भी मानती हैं।

महिला रोगी के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि रोगी को पिछले एक साल से पेट के निचले हिस्से में तेज दर्द हो रहा था और माहवारी के समय यह और भी बढ़ जाता था। डॉक्टर उसे दर्द बंद करने वाली दवा की सलाह देते थे और उसे कुछ देर आराम मिलता था।जावेद ने कहा कि हालांकि, एक डॉक्टर ने अल्ट्रासाउंड कराने को कहा जिससे पता चला कि उसे पित्ताशय की पथरी हो सकती है और गर्भाशय में एक छोटा फाइब्रॉएड भी हो सकता है। फिर उसे पित्ताशय की थैली हटाने की सर्जरी के लिए हमारे पास भेजा गया। उन्होंने कहा कि लेकिन पित्ताशय की पथरी में आमतौर पर ऊपरी पेट के दाहिने हिस्से में दर्द होता है, इसलिए हमने एक एमआरआई का आदेश दिया जिससे पता चला कि उसे एसीयूएम है।

जावेद ने कहा कि हमने अतिरिक्त द्रव्यमान को हटाया और सर्जरी में हमने एक खुली तकनीक का उपयोग किया। सर्जरी लैप्रोस्कोपिक रूप से की गई थी। हमें सर्जरी करते समय काफी सावधान रहना पड़ा ताकि उसकी ट्यूब प्रभावित न हो। डॉक्टर ने कहा कि रोगी ठीक हो गई है और उसे अब तक कोई दर्द नहीं हुआ है।

श्रीलंका-पाक को भी मिल गई मॉडर्ना-फाइजर की वैक्सीन

भारत का नंबर कब?

नई दिल्ली। भारत के दवा नियामक द्वारा मॉडर्न की कोविड -19 वैक्सीन को प्रतिबंधित आपातकालीन उपयोग की मंजूरी देने के लगभग एक महीने बाद अधिकारियों ने फाइजर वैक्सीन के बारे में सकारात्मक बयान जारी किए हैं। इनमें से किसी का भी अभी तक भारत में उपयोग नहीं किया जा रहा है। देश भर में चल रहे कोविड-19 टीकाकरण अभियान में इन टीकों को कब शामिल किया जाएगा, इसका कोई स्पष्ट जवाब नहीं है।

पड़ोसी देशों को मिल चुकी है मॉडर्ना और फाइजर-इस बीच, भारत के पड़ोसी देशों- श्रीलंका, बांग्लादेश और पाकिस्तान-को मॉडर्ना और फाइजर के टीकों की लाखों खुराक हफ्तों पहले ही मिल चुकी हैं, और जल्द ही और अधिक वितरित होने की उम्मीद है। 29 जून को, ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया ने मॉडर्ना को प्रतिबंधित आपातकालीन उपयोग की मंजूरी दी। इससे यह भारत में कोविशील्ड, कोवैक्सिन और स्पुतनिक वी के बाद इस तरह की मंजूरी पाने वाली चौथी वैक्सीन बन गई है। 2 जुलाई को, केंद्र सरकार ने कहा कि वह अगले कुछ दिनों में मॉडर्ना वैक्सीन की खुराक भारत तक पहुंचने की उम्मीद कर रही है।

मॉडर्न की 75 लाख खुराक की पेशकश-वहीं अठारह दिन बाद, विश्व

स्वास्थ्य संगठन(दक्षिण-पूर्व एशिया) की क्षेत्रीय निदेशक डॉ पूनम खेत्रपाल सिंह ने कहा कि भारत को WHO के Covid-19 वैक्सीन ग्लोबल एक्सेस के माध्यम से मॉडर्न वैक्सीन की 7.5 मिलियन (75 लाख) खुराक की पेशकश की गई है। हालांकि, मॉडर्ना जैब्स भारत में कब उपलब्ध होंगे, इस पर कुछ स्पष्ट नहीं है। COVAX से मॉडर्ना वैक्सीन की 7.5 मिलियन खुराक का यह दान उससे अलग है, जिन्हें वैक्सीन निर्माताओं के साथ खरीद समझौते की आवश्यकता होती है। जहां तक ??अमेरिकी टीकों की खरीद का संबंध है, मॉडर्ना ने मई में कहा था कि यह अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर से ओवरलोड है और 2022 से पहले व्यावसायिक रूप से सप्लाई नहीं दे सकेगी।

यहां अटका है मामला

मॉडर्ना और फाइजर जैसे विदेशी वैक्सीन निर्माता भारत सरकार से किसी भी प्रतिकूल दावों के खिलाफ कानूनी सुरक्षा की मांग कर रहे हैं जो उनके कोविड -19 टीकों के उपयोग से जुड़े हैं। शर्त है कि सरकार द्वारा निर्माताओं को यह कानूनी सुरक्षा प्रदान करने पर इन टीकों का रोल आउट किया जाएगा। वैक्सीन रोलआउट के लिए यह क्लॉज भारत सरकार और वैक्सीन निर्माताओं के बीच विवाद का एक प्रमुख कारण रहा है, और टीकों को भारत तक पहुंचने में देरी हुई है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

विस्फोटक से लैस ड्रोन

जम्मू के एयरफोर्स स्टेशन पर ड्रोन हमले की नाकाम कोशिश के एक माह के भीतर विस्फोटक से लैस एक ड्रोन को मार गिराने में मिली सफलता यह तो बताती है कि हमारी सुरक्षा एजेंसियां पहले से ज्यादा सतर्क हैं, लेकिन इस घटना से यह भी पता चलता है कि शत्रुओं के दुस्साहस में कोई कमी नहीं आई है। गत दिवस जम्मू के कानाचक्क इलाके में पुलिस ने जिस ड्रोन को मार गिराया, उससे पांच किलो की आइईडी भी बरामद हुई है। इसका अर्थ है कि सीमा के अंदर ऐसे तत्व सक्रिय हैं, जो सीमा पार की दुष्ट ताकतों के संपर्क में हैं और उनके इशारे पर आतंकी हमले की फिराक में हैं। चूंकि उक्त ड्रोन पाकिस्तान सीमा के निकट ही मार गिराया गया इसलिए यह संदेह पुख्ता होता है कि उसे सीमा पार से ही भेजा गया। पुलिस को संदेह है कि यह काम आतंकी संगठन जैश-ए-मुहम्मद ने किया। यह वही आतंकी संगठन है, जिसे पाकिस्तान का सहयोग और संरक्षण प्राप्त है। भारत इससे अनभिज्ञ नहीं हो सकता कि पाकिस्तान ने जैश के साथ लश्कर के आतंकियों को भी तालिबान की मदद के लिए अफगानिस्तान भेजा है। वह तालिबान के जरिये अफगानिस्तान में भारतीय हितों को नुकसान पहुंचाने की कोशिश में भी है। अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे का मतलब होगा वहां पाकिस्तान का वर्चस्व कायम हो जाना और किस्म-किस्म के जिहादियों को खुली छूट मिल जाना। पाकिस्तान अपने यहां के साथ-साथ जिस तरह अफगानिस्तान में भारत विरोधी भावनाओं को भड़काने में जुटा है, उससे यही संकेत मिलता है कि अफगानिस्तान में तालिबान का कब्जा होने के बाद जम्मू-कश्मीर की सुरक्षा के लिए खतरा और बढ़ जाएगा। इस संभावित खतरे को देखते हुए भारत इससे संतुष्ट नहीं हो सकता कि पाकिस्तान से भेजे गए ड्रोन को मार गिराया गया। भारत का उद्देश्य पाकिस्तान और वहां पल रहे भारत विरोधी आतंकी संगठनों के दुस्साहस का दमन करना होना चाहिए। जब तक इस दुस्साहस का दमन नहीं किया जाता, तब तक पाकिस्तान से ड्रोन हमलों का खतरा टलने वाला नहीं। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि जम्मू-कश्मीर के सीमांत क्षेत्रों में एक अर्से से ड्रोन देखे जा रहे हैं। यह इसलिए चिंताजनक है, क्योंकि खुफिया एजेंसियां अंदेशा जता चुकी हैं कि आतंकी ड्रोन के

जरिये किसी बड़ी साजिश को अंजाम देने की फिराक में हैं। तथ्य यह भी है कि बीते डेढ़ साल में ड्रोन के जरिये हथियार, विस्फोटक, मादक पदार्थ और पैसे भेजे जा चुके हैं। यह ठीक है कि जम्मू एयरफोर्स स्टेशन के पास एंटी ड्रोन सिस्टम लगा दिया गया है, लेकिन इसमें संदेह है कि इससे पाकिस्तान के नापाक इरादों को ध्वस्त करने में पूरी तौर पर सफलता मिलेगी।

ओलम्पिक में उम्मीद बंधाते भारतीय पहलवान

– योगेश कुमार गोयल

23 जुलाई को टोक्यो ओलम्पिक 2020 का आगाज हो चुका है, जिसमें भारत का नाम रोशन करने का जज्बा लिए भारत के भी 126 एथलीट पहुंचे हैं, जो 18 कुल विभिन्न खेलों में 85 पदकों के लिए दावेदारी पेश करेंगे। मीराबाई चानू वेटलिफ्टिंग में पहला रजत पदक देश के नाम कर चुकी हैं और अभी कुछ और खिलाड़ियों के अलावा भारतीय पहलवानों से भी देश को काफी उम्मीदें हैं। दरअसल ओलम्पिक में भारतीय एथलीटों ने हॉकी के बाद कुश्ती में ही सबसे ज्यादा पदक जीते हैं। इसीलिए भारत में खासकर कुश्ती के मुकाबलों का बेसब्री से इंतजार किया जा रहा है। भारतीय कुश्ती इस समय स्वर्णिम दौर में है और कुश्ती में पिछले तीन ओलम्पिक से भारत लगातार पदक जीत रहा है। कुश्ती भारत का एकमात्र ऐसा खेल है, जिसमें भारतीय पहलवान पिछले काफी समय से विश्व चैम्पियनशिप के साथ-साथ ओलम्पिक खेलों में भी लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और पदक जीत रहे हैं। 2013 की विश्व चैम्पियनशिप में भारत ने सर्वाधिक तीन कांस्य पदक हासिल किए थे लेकिन 2019 में कजाकिस्तान में हुई विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप में तो भारतीय पहलवानों का जलवा हर किसी ने देखा ही था। वह पहला ऐसा मौका था, जब भारतीय पहलवानों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए चैम्पियनशिप में पांच पदक अपने नाम कर विश्वभर में भारतीय कुश्ती का डंका बजाया था और टोक्यो ओलम्पिक खेलों के लिए नई उम्मीद बंधाई थी। रियो ओलम्पिक में भारत ने कुल दो पदक जीते थे, जिनमें से एक कुश्ती में ही मिला था और कई भारतीय पहलवान इस बार जिस फॉर्म में दिख रहे हैं, उसे देखते हुए उम्मीद की जा रही है कि टोक्यो में हमारे ये पहलवान रियो के मुकाबले शानदार प्रदर्शन करते हुए ज्यादा पदक जीतने में सफल होंगे। कुल सात भारतीय पहलवानों ने इसबार ओलम्पिक के लिए क्वालिफाई किया है, जिनमें से छह पहलवान पहली बार ओलम्पिक में हिस्सा ले रहे हैं। भारत के जो पहलवान ओलम्पिक में हिस्सा ले रहे हैं, उनमें एशियाई खेलों की स्वर्ण पदक विजेता 26 वर्षीया विनेश फोगाट से सबसे ज्यादा उम्मीदें हैं, जो टोक्यो ओलम्पिक के लिए कोटा हासिल करने वाली पहली भारतीय पहलवान बनी थी। हालांकि उन्होंने 2016 में रियो ओलम्पिक में डेब्यू किया था लेकिन पदक हासिल करने से चूक गई थी। विनेश ने 18 सितम्बर 2019 को विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप में 53 किलोग्राम भार वर्ग में दो बार की विश्व कांस्य पदक विजेता मिस्र की मारिया प्रेवोलार्की को 4-1 से चित्त करते हुए कांस्य पदक पर कब्जा करते हुए अपना ओलम्पिक का टिकट पक्का किया था। उससे पहले वह पोलैंड ओपन कुश्ती टूर्नामेंट में महिलाओं के 53 किलोग्राम भार वर्ग में रियो ओलम्पिक की कांस्य पदक विजेता स्वीडन की सोफिया मैटसन को हराकर स्वर्ण पदक भी जीत चुकी हैं। इसके अलावा वह राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों में भी खिताबी जीत हासिल कर चुकी हैं। उत्तर कोरिया की यांग मी पाक को विनेश की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्वी माना जा रहा था लेकिन उत्तर कोरिया के ओलम्पिक में हिस्सा नहीं लेने के कारण विनेश की राह आसान हो गई है। 27 वर्षीय बजरंग पूनिया भारतीय पहलवानों में ओलम्पिक में उम्मीदों का सबसे बड़ा चेहरा हैं। भारतीय पुरुष पहलवानों में वे पदक के सबसे बड़े दावेदार माने जा रहे हैं। बजरंग को ओलम्पिक में दूसरी वरीयता दी गई है और उनका मुकाबला विश्व चैम्पियन रूस के राशिदोव के साथ होगा, जिन्हें पहली वरीयता प्रदान की गई है। एशियाई स्वर्ण पदक विजेता और विश्व चैम्पियन रहे बजरंग पूनिया एकमात्र ऐसे भारतीय पहलवान हैं, जिन्होंने अभीतक विश्व चैम्पियनशिप में तीन बार पदक जीते हैं, पहली बार 2013 में कांस्य, 2018 में रजत और 2019 में कांस्य। उनसे पूरी उम्मीदें हैं कि पिछली विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक नहीं जीत पाने की कसक वे ओलम्पिक में अवश्य पूरी करेंगे। 86 किलोग्राम वर्ग में 22 वर्षीय पहलवान दीपक पूनिया को ओलम्पिक में पदक का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। उनके बेहतरीन प्रदर्शन से 2019 की विश्व चैम्पियनशिप में हर किसी को स्वर्ण पदक की उम्मीदें थी लेकिन टखने में लगी चोट के कारण वे फाइनल नहीं खेल सके, फिर भी रजत पदक जीतकर उन्होंने टोक्यो ओलम्पिक में पदक जीतने को लेकर उम्मीदें बढ़ा दी थी। विश्व चैम्पियनशिप में दीपक को पहले राउंड में ही टखने में चोट लग गई थी लेकिन फिर भी जिस जोश और जज्बे के साथ उन्होंने चोटिल होने पर भी कुश्तियां लड़ी और लगातार जीत हासिल करते हुए फाइनल तक पहुंचे, वह बेमिसाल था। अगस्त 2019 में ही दीपक विश्व जूनियर चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर सीनियर में पहुंचे थे और उसके बाद विश्व चैम्पियनशिप में रजत पदक जीता था। उन्होंने नूर सुल्तान टूर्नामेंट में अपना ओलम्पिक का टिकट हासिल कर लिया था। दीपक की वजह से ही भारत को 18 साल लंबे अंतराल बाद विश्व जूनियर चैम्पियनशिप का खिताब जीतने का अवसर मिला था। 23 वर्षीय मुक्केबाज रवि कुमार दहिया ने जिस अंदाज में कुछ दिग्गज पहलवानों को हराते हुए टोक्यो ओलम्पिक के लिए क्वालिफाई किया था और कजाकिस्तान के नूर सुल्तान में अपनी पहली ही 2019 विश्व रेसलिंग चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीतने में सफल हुए थे, उसे देखते हुए उनसे भी ओलम्पिक में श्रेष्ठ प्रदर्शन की उम्मीदें बढ़ गई हैं। विश्व चैम्पियनशिप में रवि दहिया ने 57 किलोग्राम वर्ग में कई शीर्ष पहलवानों को हराकर साबित कर दिया था कि उनमें कितना दम है। वह उसी छत्रसाल स्टेडियम की देन हैं, जहां से दो ओलम्पिक पदक विजेता सुशील कुमार और योगेश्वर दत्त निकले हैं। दो बार के एशियन चैम्पियन रह चुके रवि ओलम्पिक में 57 किलोग्राम फ्रीस्टाइल वर्ग में भारत की ओर से खेलेंगे। रियो ओलम्पिक में कांस्य पदक विजेता रही साक्षी मलिक को अप्रैल माह में अल्माटी में हुए एशियाई ओलम्पिक क्वालिफायर में 4-0 से पराजित कर सोनम मलिक रजत पदक जीतकर पहलवानों में बड़ा नाम बनकर उभरी थी। उस मुकाबले के बाद उन्होंने ग्रीष्मकालीन खेलों में 62 किलोग्राम वर्ग में अपनी जगह बनाई थी। विश्व जूनियर और कैडेट चैम्पियन रही 18 वर्षीया सोनम ओलम्पिक के लिए क्वालिफाई करने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय पहलवान हैं, जो जूनियर से सीनियर तक के अबतक के अपने सफर में अपने प्रदर्शन से काफी चर्चित रही हैं। वह भी पदक की प्रबल दावेदार मानी जा रही हैं। 29 वर्षीया सीमा बिस्ला ने एशियाई चैम्पियनशिप में अपनी बेहतरीन प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक जीता था। एशियन मीट में मिली जीत के बाद उन्हें बुल्गारिया में मई माह में विश्व ओलम्पिक क्वालिफायर के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया था, जहां सीमा ने स्वर्ण पदक जीतकर 50 किलोग्राम वर्ग में टोक्यो ओलम्पिक में जगह बनाई थी। 19 वर्षीया अंशु मलिक ने अप्रैल माह में अल्माटी में हुए एशियाई ओलम्पिक क्वालिफायर में रजत पदक जीतकर ओलम्पिक में 57 किलोग्राम वर्ग में अपनी जगह पक्की की थी। उससे पहले एशियाई चैम्पियनशिप में भी उन्होंने स्वर्ण पदक जीता था। गत वर्ष रोम में माटेओ पेलिकोन रैंकिंग सीरीज में अंशु ने सीनियर वर्ग में अपना डेब्यू किया था, जहां उन्होंने रजत पदक जीता था। उसके बाद अंशु ने एशियन चैम्पियनशिप में नई दिल्ली में कांस्य और बेलग्रेड में व्यक्तिगत विश्वकप में रजत पदक हासिल किया था। बहरहाल, उम्मीद की जानी चाहिए कि पिछले कुछ वर्षों में भारतीय पहलवान पूरी दुनिया में अपना जो दम दिखा दिखा रहे हैं, उनका वही दम ओलम्पिक में भी सारी दुनिया देखेगी और भारत के खाते में कुश्ती में भी कुछ पदक दर्ज होंगे।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

'आज के ट्वीट

प्रेरित

आदरणीय प्रधानमंत्री जी ने सदैव ही नवाचार और प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहित किया है। उसी क्रम में आज 'मन की बात' कार्यक्रम में लखनऊ में कनाडा की टेक्नोलॉजी द्वारा कम समय व न्यूनतम लागत में आरामदायक और हवादार घर निर्माण का उल्लेख हम सभी को कौशल व तकनीक से जुड़ाव हेतु प्रेरित करेगा।

-- योगी आदित्यनाथ

ज्ञान गंगा

जन्म

आचार्य रजनीश ओशो

एक जन्म में ज्ञान की यात्रा पूरी हो गई हो तो व्यक्ति पर निर्भर करता है कि वह चाहे तो एक जन्म और ले सके और चाहे तो न ले। बिल्कुल स्वतंत्रता की स्थिति है। सच तो यह है कि वही एक जन्म स्वतंत्रता से लिया गया होता है। अन्यथा कोई जन्म स्वतंत्रता से नहीं है। चुनाव नहीं है बाकी जन्मों में। बाकी जन्म तो वासना के पाश में बहुत मजबूरी में लेने पड़े हैं। जैसे धकाए गए हैं, या खींचे गए हैं या दोनों ही बातें एक साथ हुई हैं। धकाए गए हैं पिछले कर्मो से, खींचे गए हैं आगे की आकांक्षाओं से। तो हमारा जन्म साधारणत- बिल्कुल परतंत्र घटना है। उसमें चुनाव का मौका नहीं है। सचेतन रूप से हम चुनते नहीं कि हम जन्म लें। सचेतन रूप से सिर्फ एक ही मौका आता है चुनने का। वह तब आता है, जब व्यक्ति स्वयं को पूरी तरह जान लेता है। वह घटना घट चुकी होती है, जिसके आगे पाने को कुछ नहीं होता। ऐसा क्षण आ जाता है जब व्यक्ति कह सकता है कि अब मेरे लिए कोई भविष्य नहीं है, क्योंकि मेरे लिए कोई वासना नहीं है। ऐसा कुछ नहीं है जो मैं न पाऊं तो मेरी कोई पीड़ा है। यह बहुत ही शिखर का क्षण है-'पीक।' इस शिखर पर ही पहली दफा स्वतंत्रता मिलती है। यह मजे की बात है और जीवन के रहस्यों में से एक कि जो चाहेंगे स्वतंत्र हों, वे स्वतंत्र नहीं हो पाते हैं और जिसकी अब कोई चाह नहीं रही, वे स्वतंत्र हो जाते हैं। जो चाहते हैं यहां जन्म ले लें, वहां जन्म ले लें, उनके लिए कोई उपाय नहीं है। और जो इस स्थिति में हैं कि कहीं जन्म लेने का कोई सवाल न रहा, इस सुविधा में हैं कि चाहे तो कहीं ले लें। लेकिन यह भी एक ही जन्म के लिए संभव है। इसलिए नहीं कि एक जन्म के बाद उसे स्वतंत्रता नहीं रह जाएगी जन्म लेने की। स्वतंत्रता सदा होगी। लेकिन एक जन्म के बाद इसके उपयोग का भाव खो जाएगा। स्वतंत्रता मिलते ही, इस जन्म में यदि आपको घटना घट गई परम अनुभव की, तो स्वतंत्रता तो मिल गई। लेकिन जैसा सदा होता है, स्वतंत्रता मिलने के साथ ही स्वतंत्रता के उपयोग की जो भाव-दशा है, वह एकदम नहीं खो जाएगी। उसका उपयोग किया जा सकता है। जो बहुत गहरे जानते हैं, वे कहेंगे, यह भी एक बंधन है। इसलिए जैनों ने, जिन्होंने इस दिशा में सर्वाधिक गहरी खोज की- इसे तीर्थकर-गोत्रबंध नाम दिया। यह आखिरी बंधन स्वतंत्रता का बंधन है। इसका भी उपयोग कर लेने का मन है। वह भी मन ही है। इसलिए सिद्ध तो बहुत होते हैं, तीर्थहकर सभी नहीं होते।

आज का राशिफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। वाणी की सौम्यता बनाये रखने की आवश्यकता है।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्ची पर नियंत्रण रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला आर्थिक योजना को बल मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ होने के योग हैं।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक क्षेत्र में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपको लाभ दिलायेगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। खान-पान में संयम रखें। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिलेगी। नेत्र विकार की संभावना है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कोरोना की तीसरी लहर: कहीं भारी न पड़ जाए लापरवाही

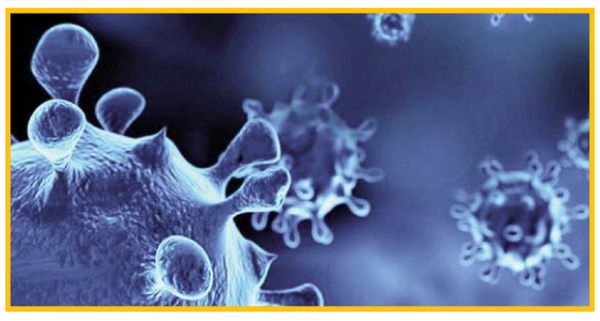

– रमेश सर्राफ

विश्व स्वास्थ्य संगठन व दुनिया के बड़े वैज्ञानिक व चिकित्सा विशेषज्ञ सभी देशों को लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि वह अपने यहां लगाई गई पाबंदियों में ढील ना दे। दुनिया भर में जल्दी ही कोरोना की तीसरी लहर आने वाली है। कई देशों में तो कोरोना की तीसरी लहर प्रारंभ भी हो चुकी है। विशेषज्ञों का कहना है कि तीसरी लहर में कोरोना का वायरस पहले से ज्यादा प्रभावी होगा। जिसके बड़े दुष्परिणाम देखने को मिल सकते हैं। ब्रिटेन, अमेरिका, रूस समेत कई बड़े देशों में कोरोना के बढ़ते आंकड़े भारत के लिए चिंता बढ़ाने वाले हैं। दुनिया भर में कोरोना वैक्सीन लगाए जाने के बावजूद जिस तेजी से कोरोना संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं। उससे इस बात के संकेत मिल रहे हैं कि कोरोना की तीसरी लहर शुरू हो चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बार-बार लोगों को चेता रहे हैं कि बेवजह घरों से निकलकर भीड़भाड़ इकट्ठा ना करें। प्रधानमंत्री ने पहाड़ी क्षेत्रों के पर्यटन स्थलों पर उमड़ रही पर्यटकों की भीड़ पर भी नाराजगी जताते हुए उन राज्य सरकारों को चेताया है कि बड़ी संख्या में पर्यटक एकत्रित होकर कोरोना गाइडलाइन की पालना भी नहीं कर रहे हैं। ऐसे में वे स्वयं व घर आकर अपने परिवार के लोगों को भी संक्रमित करेंगे। इससे बचने का एकमात्र उपाय है अपने घरों पर ही रहें। कोरोना वायरस की दूसरी लहर अभी पूरी तरह से खत्म नहीं हुई है। इसी बीच कई राज्यों से नए मामले बढ़ने की खबरें सामने आने लगी है। केरल में कोरोना संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। ऐसे में केरल सरकार की ओर से बकरीद पर लॉकडाउन में ढील दिए जाने पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जताई व जमकर फटकार लगाते हुए कहा यह अफसोस की बात है कि राज्य सरकार व्यापारी संगठनों के दबाव में आ गई। उन इलाकों में भी दुकान खोलने की अनुमति दी जहां कोरोना दर 15 फीसदी से अधिक है और लोगों की जान को खतरे में डाल दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केरल सरकार ने बकरीद के अवसर पर इस तरह की छूट देकर देश के नागरिकों के लिए राष्ट्रव्यापी महामारी के जोखिम को बढ़ा दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर बकरीद के लिए राज्य द्वारा दी गई ढील से कोविड-19 का और प्रसार होता है तो वह कार्रवाई करेगा। कोरोना की दूसरी लहर के बाद किए गए सीरो सर्वे में देश के 68 फीसदी लोगों में एंटीबॉडी पाई गई है। इसमें वो लोग भी शामिल हैं जिन्हें टीका लगाया जा चुका है। इसके बावजूद प्रतिदिन नये कोरोना मरीजों के आंकड़ों का 40 हजार के आसपास रुक जाना किसी खतरे की घंटी से कम नहीं है। विशेषज्ञों ने चिंता जताते हुए कहा है कि कोरोना के आंकड़े जिस तरह से स्थिर हो गए हैं। उसे देखने के बाद संभावना है कि आंकड़ों में बहुत जल्दी बढ़ोत्तरी देखने को मिले। देश के 13 राज्यों में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या में बढ़ोत्तरी दर्ज की जा रही है। केरल, आंध्र प्रदेश, ओडिशा के अलावा पूर्वोत्तर के कई राज्यों में जिस तेजी से कोरोना के मामले बढ़ रहे हैं वो डराने वाले हैं। देश में अभी प्रतिदिन 40 हजार कोरोना के नए केस मिल रहे हैं। जबकि देश में पहली बार संपूर्ण लाकडाउन लगा था तब मात्र पचासी कोरोना पॉजिटिव केस मिले थे। उस से तुलना करें तो वर्तमान स्थिति बहुत चिंताजनक है। देश में अभी तक तीन करोड़ नौ लाख के करीब कोरोना पॉजिटिव केस मिल चुके हैं। जिनमें से तीन करोड़ पांच लाख यानी 99 प्रतिशत कोरोना पॉजिटिव केस रिकवर हो चुके हैं। वही 4 लाख 20 हजार लोगों की कोरोना से मौत हो चुकी है जो एक प्रतिशत है। देश में अभी तक कोरोना के 35 करोड़ नमूने लेकर उनकी जांच की जा चुकी है। वर्तमान में भी प्रतिदिन 17 से 18 लाख कोरोना के नमूनों की देश में जांच की जा रही है। देश में इस समय सबसे अधिक कोरोना पॉजिटिव केस केरल में मिल रहे हैं। केरल में एक दिन में 17 हजार 481 पाजिटिव केस, महाराष्ट्र में 8 हजार 159 केस, आंध्र प्रदेश में 2 हजार 527 केस, ओडिशा में एक हजार 927 केस, तमिलनाडु में एक हजार 891 केस, कर्नाटक में एक हजार 639 केस, असम में एक हजार 547 केस, मणिपुर में एक हजार 327 केस, पश्चिम बंगाल में 869 केस, तेलंगाना में 691 केस, मिजोरम में 625 केस, मेघालय में 558 केस, अरुणाचल प्रदेश में 418 केस, त्रिपुरा में 253 केस, सिक्किम में 251 केस, नागालैंड में 105 पॉजिटिव केस एक दिन में मिले हैं। देश में मिले कुल पॉजिटिव केसो में से 90 प्रतिशत केस इन 16 प्रदेशों में मिल रहे हैं। पूर्वोत्तर के आठ प्रदेशों में कोरोना पॉजिटिव केसों में एकाएक बढ़ोतरी होना बड़ी चिंता का विषय है। कोरोना की पहली लहर में पूर्वोत्तर के राज्य कोरोना से ज्यादा प्रभावित नहीं हुए थे। मगर इस बार वहां कोरोना का काफी प्रभाव देखने को मिल रहा है। अभी देश में कोरोना से प्रतिदिन होने वाली मौत का आंकड़ा 500 से अधिक है। कोरोना की दूसरी लहर गुजर जाने के बाद भी लगातार 40 हजार से अधिक पॉजिटिव केसों का मिलना व 500 लोगों की प्रतिदिन मौत पर काबू नहीं हो रहा है। ऐसे में यदि कोरोना की तीसरी लहर आ जाती है तो स्थिति एक बार फिर बिगड़ सकती है। कोरोना दूसरी लहर में पूरे देश ने देखा था कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में सरकार पूरी तरह फेल हो गई थी। देश में ऑक्सीजन को लेकर हाहाकार मचा था। यहां तक कि पानी के जहाजों से विदेशों से भी ऑक्सीजन मंगवानी पड़ी थी। दूसरी लहर के बाद देश के सरकारी व निजी अस्पतालों में तेजी से ऑक्सीजन गैस प्लांट लगाए जा रहे हैं जो काफी नहीं है। ऑक्सीजन के मामले में महाराष्ट्र सबसे पहले आत्मनिर्भर होने वाला राज्य बना है। देश के अन्य राज्यों को भी ऑक्सीजन उत्पादन के क्षेत्र में महाराष्ट्र मॉडल का अनुसरण करना चाहिए। देश में अभी कोरोना की तीन वैक्सीन उपलब्ध है जो पर्याप्त नहीं है। सीरम इंस्टीट्यूट की कोवोशिल्ड ही बड़ी मात्रा में उत्पादित हो रही है। भारत बायोटेक की कोवैक्सीन का उत्पादन अभी बहुत कम है। रूस की स्पुतनिक वी अभी कम संख्या में ही आयात की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि वैक्सीन ही कोरोना का सबसे बड़ा बचाव का साधन है। मगर सरकार पर्याप्त मात्रा में वैक्सीन उपलब्ध नहीं करवा पा रही है। देश में मात्र 42 करोड लोगों को ही अभीतक वैक्सीन की एक डोज लगाई गई है। कोरोना नियंत्रण की दिशा में महाराष्ट्र, राजस्थान, उड़ीसा, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु ने अभी तक लॉकडाउन के दौरान की गई पाबंदियों को पूरी तरह नहीं हटाया है। इस कारण वहां कोरोना नियंत्रण में बड़ी सफलता मिली है। पर्वतीय राज्य उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश की राज्य सरकारें होटल मालिकों के दबाव में पर्यटकों को लुभाने के लिए कोरोना गाइडलाइन की पालना नहीं करवा पा रही है। जो पूरे देश के लिए परेशानी का सबब बन सकता है। देश के लोगों को अभी भी कोरोना गाइडलाइन का पूरी तरह पालन करना चाहिए। ताकि सभी देश वासियों के सहयोग से कोरोना को मात दी जा सके।

(लेखक हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

अप्रैल-जून तिमाही में सोने का आयात कई गुना बढ़कर 7.9 अरब डॉलर

नई दिल्ली: देश के चालू खाता घाटे पर असर डालने वाला सोने का आयात अप्रैल-जून 2021 की तिमाही के दौरान कई गुना बढ़कर 7.9 अरब डॉलर (58,572.99 करोड़ रुपए) हो गया। यह उछाल तुलना के निम्न आधार के कारण है। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़े के अनुसार पिछले वित्तीय वर्ष कोराना वायरस के प्रकोप और सख्त लॉकडाउन के चलते इसी अवधि में सोने का आयात 68.8 करोड़ डॉलर (5,208.41 करोड़ रुपए) तक गिर गया था। हालांकि अप्रैल-जून 2021 तिमाही में चांदी का आयात 93.7 प्रतिशत घटकर 3.94 करोड़ डॉलर रहा। मौजूदा वित्त वर्ष में अप्रैल-जून के दौरान सोने के आयात में इतनी वृद्धि से देश का व्यापार घाटा यानी आयात और निर्यात के बीच अंतर बढकर लगभग 31 अरब डॉलर हो गया है। भारत सोने का सबसे बड़ा आयातक है और देश में सोने का आयात मुख्य रूप से आभूषण उद्योग की मांग को पूरी करने के लिए किया जाता है। भारत वार्षिक रूप से 800-900 टन सोने का आयात करता है। मौजूदा चालू वित्त वर्ष के पहले तीन महीनों के दौरान रत्न और आभूषण का निर्यात बढ़कर 9.1 अरब डॉलर हो गया, जबकि पिछले वर्ष इसी तिमाही में यह 2.7 अरब डॉलर था।

जिंदल पावर के लिए जिंदल स्टील पावर लिमिटेड शुरू करने जा रही विनिवेश के लिए बोली

नई दिल्ली। जिंदल स्टील एंड पावर लिमिटेड (जेएसपीएल) ने अपनी सहायक कंपनी जिंदल पावर लिमिटेड (जेपीएल) की प्रस्तावित हिस्सेदारी बिक्री के लिए एक अतिरिक्त पारदर्शी प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया शुरू करने का फैसला किया है। विभिन्न दौर की चचाओं और वाताओं के बाद, जेएसपीएल और उसके लेनदेन सलाहकारों ने कंपनी द्वारा प्राप्त सभी निवेशकों की प्रतिक्रिया को समायोजित करते हुए वर्ल्डवन से एक संशोधित और आवश्यक प्रस्ताव पर सफलतापूर्वक बातचीत की है। संशोधित प्रस्ताव की मुख्य विशेषताएं यह हैं कि वर्ल्डऑन जेएसपीएल द्वारा रखे गए जेपीएल के सभी इक्विटी शेयरों और रिडीमेबल वरीयता शेयरों को लगभग 7,401 करोड़ रुपये में खरीदेगा, जिसमें से (आई) 3,015 करोड़ रुपये नकद द्वारा देय होंगे, और (आईआई) शेष 4,386 करोड़ रुपये (लगभग) अंतर-कॉर्पोरेट जमा और जेपीएल द्वारा जेएसपीएल को दिए गए पूंजीगत अग्रिमों के संबंध में जेएसपीएल की देनदारियों और दायित्वों की धारणा और अधिग्रहण के माध्यम से होंगे। वास्तव में, संशोधित प्रस्ताव अब सरल और सीधा है जहां विनिवेश के बाद जेएसपीएल और जेपीएल के बीच कोई निरंतर वित्तीय संबंध नहीं रहेगा। यह जेएसपीएल निवेशकों द्वारा पहले आयोजित फीडबैक सत्र के दौरान प्रमुख प्रश्नों में से एक था और इसे व्यापक रूप से संबोधित किया गया है। अपने निवेशकों, विशेष रूप से अपने अल्पसंख्यक शेयरधारकों के हितों की रक्षा के लिए, जेएसपीएल ने 7,401 करोड़ रुपये के संशोधित प्रस्ताव का उपयोग करते हुए, जेपीएल हिस्सेदारी बिक्री से उच्चतम संभव मूल्य प्राप्त करने में कोई कसर नहीं छोड़ने के लिए एक प्रतिस्पर्धी बोली प्रक्रिया शुरू करने का निर्णय लिया है। पारदर्शी बोली प्रक्रिया को सार्वजनिक डोमेन में विज्ञापित किया जाएगा और दुनिया भर के इच्छुक बोलीदाताओं के लिए 7,401 करोड़ रुपये के वर्तमान संशोधित प्रस्ताव को आगे आने और बेहतर बनाने के लिए समान अवसर प्रदान करेगा। जेएसपीएल प्रबंधन ने कहा,जेएसपीएल जेपीएल के विनिवेश से मूल्य को अधिकतम करने के अपने प्राथमिक लक्ष्य और अपने अल्पसंख्यक शेयरधारकों सहित अपने सभी हितधारकों के हितों की रक्षा करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

वैश्विक स्तर पर स्मार्टफोन के औसत उपयोग के मामले में तीसरे स्थान पर भारत : रिपोर्ट

नई दिल्ली।

भारत में स्मार्टफोन यूजर्स ब्राजील और इंडोनेशिया के बाद दुनिया में औसतन सबसे ज्यादा समय अपने डिवाइस पर बिताते हैं। एक नई रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। पिछले साल तक, ब्राजील इंडोनेशिया के बाद दुनिया का दूसरा देश था, जहां स्मार्टफोन का सबसे अधिक उपयोग किया जाता था, जो अब प्रति दिन औसतन 5.3 घंटे स्मार्टफोन के उपयोग के साथ दूसरे स्थान पर है। जेडडीनेट की रिपोर्ट के अनुसार, औसतन 4.9 घंटे के दैनिक स्मार्टफोन उपयोग समय के साथ, भारत के बाद दक्षिण कोरिया (4.8 घंटे), मैक्सिको (4.7 घंटे), तुर्की (4.5 घंटे), जापान (4.4 घंटे), कनाडा (4.1 घंटे), अमेरिका (3.9 घंटे) और ब्रिटेन (3.8 घंटे) का नंबर आता है।ऐप एनी द्वारा भी वैश्विक रुझानों पर एक अलग रिपोर्ट ने मोबाइल ऐप परिदृश्य के भीतर विकास के क्षेत्रों पर प्रकाश डाला है। जब शीर्ष सोशल नेटवर्किंग ऐप्स के बीच जुड़ाव की गहराई की बात आती है, तो अध्ययन में कहा गया है कि ब्राजील में 2019 में 26.2 घंटे की तुलना में व्हाट्सएप 2020 में प्रति माह औसतन 30.3 घंटे का सबसे अधिक उपयोग किया जाने वाला ऐप रहा है।विशेष रूप से, ब्राजील में टिकटॉक का उपयोग 2019 में 6.8 घंटे की तुलना में 2020 में 14 घंटे दर्ज किया गया। यह फेसबुक की तुलना में तेजी से बढ़ रहा है (2020 में प्रति माह 15.6 घंटे बनाम 2019 में 14 घंटे प्रति माह)। इंस्टाग्राम पर बिताए जाना वाला समय (2020 में 14 घंटे बनाम 2019 में 11.5 घंटे) और ट्विटर (2020 में 6.4 घंटे प्रति माह बनाम 2019 में 5.1 घंटे) दर्ज किया गया है।ऐप एनी ट्रेंड्स रिपोर्ट के अनुसार, ब्राजील ने 2020 में वित्तीय संबंधी ऐप के डाउनलोड में साल-दर-साल 75 प्रतिशत की वृद्धि देखी है। ऐसे ऐप्स पर बिताए गए घंटों की औसत संख्या में भी पिछले साल 45 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है।

एफपीआई ने जुलाई में 5,689 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश निकाला

मुंबई।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय इक्विटी सेगमेंट से जुलाई में अब तक 5,689 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश निकाला है। विश्लेषकों ने कहा कि एफपीआई के बाहरी प्रवाह को कोविड -19 के कई प्रकारों पर वैश्विक चिंताओं के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। कोटक सिक्योरिटीज में फंडामेंटल रिसर्च के डिप्टी वाइस प्रेसिडेंट अरुण अग्रवाल ने कहा, इंडोनेशिया को छोड़कर सभी प्रमुख उभरते बाजारों और एशियाई बाजारों में इस महीने एफपीआई का बहिर्वाह देखा गया है। हमें उम्मीद है कि भारत में एफपीआई प्रवाह यूएस फेड मौद्रिक नीति और कच्चे तेल के लिए कमजोर रहेगा। निवेशकों द्वारा जून में 17,215 करोड़ रुपये के शुद्ध निवेश के साथ वापसी करने के बाद इक्विटी से एफपीआई का बहिर्वाह आता है। 2021 में अब तक एफपीआई ने देश के इक्विटी सेगमेंट में 54,655 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया है। शुक्रवार को समाप्त सप्ताह में, कमजोर शुरूआत के बाद बाजार ने सप्ताह के उत्तरार्ध में वापसी की और अधिकांश घाटे को लगभग सपाट रिटर्न के साथ समाप्त करने के लिए उलट दिया। बीएसई सेंसेक्स और निफ्टी 50 में क्रमशः 0.3 फीसदी और 0.2 फीसदी की गिरावट आई। बीएसई मिडकैप और बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स के साथ व्यापक बाजार भी व्यापक रूप से सपाट रहे, जो सप्ताह के लिए क्रमशः 0.4 प्रतिशत और 0.1 प्रतिशत की मामूली गिरावट के साथ बंद हुए। कोटक सिक्योरिटीज के अग्रवाल ने कहा, किसी भी प्रमुख आर्थिक डेटा की अनुपस्थिति में, बाजार कॉर्पोरेट आय और प्रबंधन से टिप्पणियों पर केंद्रित है। निकट अवधि में, बाजार मैक्रो घटनाओं और प्रमुख डेटा रिलीज पर नजर रखते हुए कॉर्पोरेट आय पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेंगे।

प्ले का वित्त वर्ष 2022-23 तक 100 करोड़ रुपये के कारोबार का लक्ष्य

नयी दिल्ली, माइक्रोमैक्स के सह-संस्थापक विकास जैन द्वारा स्थापित प्रौद्योगिकी ब्रांड प्ले का देश के तेजी से बढ़ते उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार के दोहन तथा 2022-23 तक 100 करोड़ रुपये के राजस्व का लक्ष्य है। कंपनी का इरादा वियरेबल और फिटनेस सहित छह-सात श्रेणियों में उत्पाद उतारने का है। इसके अलावा कंपनी का इरादा देश में अपनी खुदरा पहुंच को मजबूत करने का है। प्ले के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक विकास जैन ने पीटीआई-भाषा से कहा कि वित्त वर्ष 2022-23 तक कम से कम छह-सात श्रेणियों में कंपनी के उत्पाद होंगे। उन्होंने कहा कि कई ऐसी श्रेणियां हैं जिनमें एक ही उत्पाद होगा। ये काफी हाई-एंड उत्पाद होंगे। हम व्यक्तिगत निगरानी, उपभोक्ता होम इलेक्ट्रॉनिक्स तथा फिटनेस जैसी विभिन्न श्रेणियों पर ध्यान दे रहे हैं। जैन ने बताया कि ब्रांड पहले ही ऑडियो, वियरेबल तथा चार्जिंग एक्सेसरीज जैसी श्रेणियों में उत्पादों की पेशकश कर रहा है। इससे पहले इसी महीने प्ले ने अपने वितरण नेटवर्क को मजबूत करने तथा उत्पाद पोर्टफोलियो के विस्तार के लिए रिवरसॉन्ग इंडिया के अधिग्रहण की घोषणा की थी।

प्रधानमंत्री आवास योजना को नए सिरे से पेश करने की जरूरत, बीमा के प्रावधान को जोड़ा जाए : सीआईआई

नयी दिल्ली,

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) को नए सिरे से पेश करने की वकालत की है। उद्योग मंडल ने रविवार को कहा कि पीएमएवाई को नए सिरे से पेश कर इसमें अनिवार्य रूप से सभी ऋणदाताओं के लिए ऋण से जुड़े जीवन बीमा के प्रावधान को जोड़ने की जरूरत है। इससे यह सुनिश्चित हो सकेगा कि प्रमुख कर्जदार की मृत्यु होने या दिव्यांगता की स्थिति में भी 'सभी को घर' प्रदान करने का लक्ष्य भटकेगा नहीं। भारत 2022 में अपनी आजादी के 75 साल पूरे कर रहा है। पीएमएवाई 'सभी के लिए घर' का सरकार का महत्वाकांक्षी मिशन है। उद्योग मंडल ने बयान में कहा कि इस योजना में पहले से बीमा का प्रावधान जोड़ा नहीं गया है। ऐसे में यह योजना कर्ज लेने वाले की मृत्यु या दिव्यांगता के जोखिमों को पूरा नहीं करती है। सीआईआई ने कहा कि यदि योजना में बीमा को जोड़ दिया जाता है, तो सभी परिस्थतियों में 'सभी के लिए घर' के लक्षित लाभ को हासिल किया जा सकेगा। सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा, ''पीएमएवाई योजना को नए सिरे से पेश करने की जरूरत है। इसमें पहले से बीमा का प्रावधान होना चाहिए। इससे किसी कर्जदार की मृत्यु होने या उसके दिव्यांग होने पर भी हम इस योजना के सभी के लिए घर के लक्षित लक्ष्य को पूरा कर सकेंगे।' बनर्जी ने कहा कि महामारी की वजह से नागरिकों का जीवन और आजीविका प्रभावित हुई है। इस दौर में परिवारों का संरक्षण काफी महत्वपूर्ण हो गया है। समाज के सभी वर्गों के लोगों को अपनी चिकित्सा की लागत को पूरा करने के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। साथ ही लोगों को बेरोजगारी तथा मुद्रास्फीतिक दबाव से भी जूझना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि योजना में शुरुआत से ही बीमा का प्रावधान जुड़ा होने से न्यूनतम बदलाव के जरिये हम जोखिम संरक्षण की कमी को दूर कर पाएंगे।

छोटे उद्योगों को समर्थन के लिए विभिन्न शहरों में डिजिटल केंद्र स्थापित करेगी आमेजन इंडिया

नयी दिल्ली,

ई-वाणिज्य कंपनी आमेजन इंडिया सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) को अपने मंच से जोड़ने और ऑनलाइन कारोबार के क्षेत्र में सशक्त बनाने को लेकर विभिन्न शहरों में डिजिटल केंद्र खोलने की योजना बना रही है। ये केंद्र छोटे उद्योगों को ई-वाणिज्य के बारे में जागरूकता तथा संबंधित सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ उनकी डिजिटल कारोबार में मदद करेंगे तथा उनकी वृद्धि को गति देंगे। आमेजन इंडिया के निदेशक (एमएसएमई, बिक्री भागीदार अनुभव) प्रणव भसीन ने यह कहा। कंपनी ने इस महीने की शुरूआत गुजरात के सूरत में एमएसएमई के लिये डिजिटल केंद्र खोला है। ये केंद्र रिसोर्स सेंटर के रूप में काम करेगा और एमएसएमई की हर जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ उनकी समस्याएं दूर करने में मदद करेगा। इन केंद्रों के जरिये कंपनी ई-वाणिज्य को लेकर जागरूकता और समझ, निर्यात बाजार की जानकारी आदि उपलब्ध कराएगी। भसीन ने कहा, ''हमने एमएसएमई को डिजिटल कारोबार के क्षेत्र में सशक्त बनाने और उनकी समस्याओं को दूर करने के लिये देश में छोटे उद्योगों के संकुलों के करीब डिजिटल केंद्र स्थापित करने की योजना बनायी है।'' हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि आमेजन इंडिया की किन-किन शहरों में और कबतक ऐसे डिजिटल केंद्र खोलने की योजना है। उल्लेखनीय है कि देश की अर्थव्यवस्था में एमएसएमई की महत्वपूर्ण भूमिका है। इसका कुल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में करीब 30 प्रतिशत और निर्यात में 48 प्रतिशत का योगदान है। भसीन रविवार को भाषा से बातचीत में ने कहा, ''हमने हाल में गुजरात के सूरत में पहला आमेजन डिजिटल केंद्र खोला है। यह केंद्र एमएसएमई को डिजिटल उद्यमी बनने में हर जरूरतों को पूरा करेगा। इसमें एमएसएमई को ई-कॉमर्स के लाभ और लॉजिस्टिक समर्थन, डिजिटल विपणन, जीएसटी तथा कराधान के मामले में हर तरह का समर्थन दिया जाएगा।'' उन्होंने कहा, ''इसके जरिये उन सभी सेवाओं को वैसे स्थानों पर ले जाने का प्रयास है जहां एमएसएमई हैं। ये केंद्र उनकी डिजिटल कारोबार में मदद करेंगे और उनकी वृद्धि को गति देंगे। आमेजन डिजिटल केंद्र समेत अन्य माध्यमों से हमने 2025 तक एक करोड़ एमएसएमई को डिजिटल रूप से सक्षम बनाने का लक्ष्य रखा है।'' ई-कॉमर्स से एमएसएमई को लाभ के बारे में भसीन ने कहा, ''शुरुआत से हम एमएसएमई और अन्य विक्रेताओं को जोड़ने तथा उनके लिए संचालन लागत कम करने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग कर उन्हें डिजिटल रूप से सशक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित करते रहे हैं। प्रौद्योगिकी और बुनियादी ढांचे में हमारे निवेश को उनके विकास को गति मिली है।'' उन्होंने ने कहा, ''हमारे प्रयासों के कारण ही आज लाखों की संख्या में छोटे एवं मझोले कारोबारी हमसे जुड़े हैं। फ्रेंचाइजी के माध्यम से 10 लाख से अधिक दस्तकार और बुनकर तथा 1.5 लाख से अधिक स्थानीय ऑफलाइन स्टोर आमेजन के साथ काम कर रहे हैं। 70 हजार से अधिक छोटे निर्माताओं ने अब वैश्विक ब्रांड लॉन्च किए हैं और निर्यात पहले ही 3 अरब डॉलर को पार कर चुका है।''

उन्होंने कहा कि आमेजन डॉट इन से 8.5 लाख से अधिक विक्रेता जुड़े हैं और उनमें 90 प्रतिशत से अधिक एमएसएमई हैं। पचास प्रतिशत से अधिक विक्रेता उत्तर प्रदेश के अलीगढ़, ओड़िशा के अंगुल, केरल के इडुकी जैसे छोटे एवं मझोले शहरों से हैं।

एचडीएफसी बैंक के पुरी 2020-21 में रहे सबसे ज्यादा वेतन पाने बैंक अधिकारी

मुंबई:

एचडीएफसी बैंक के आदित्य पुरी वित्तीय वर्ष 2020-21 में अपने सेवानिवृत्ति के वर्ष में निजी क्षेत्र के शीर्ष तीन बैंकों के अधिकारियों में सबसे अधिक वेतन-भत्ता कमाने वाले अधिकारी रहे। उनकी कुल कमाई 13.82 करोड़ रुपए थी। पुरी के उत्तराधिकारी शशिधर जगदीशन ने बीते वित्तीय वर्ष में 4.77 करोड़ रुपए का वेतन हासिल किया। जगदीशन 27 अक्टूबर, 2020 को एचडीएफसी बैंक के मुख्य कार्यकारी और प्रबंध निदेशक बने थे। इसमें उनकी पदोन्नति तक समूह प्रमुख के रूप में हासिल किया गया भुगतान शामिल है। वर्ष के दौरान पुरी की कमाई में सेवानिवृत्ति लाभ के 3.5 करोड़ रुपये शामिल हैं। कोविड-19 से काफी प्रभावित हुए इस काल में आईसीआईसीआई बैंक के प्रबंध निदेशक और सीईओ संदीप बख्शी ने वित्त वर्ष 2020-21 के लिए अपने मूल और अनुपूरक भत्तों के अपने तय हिस्से को खुद छोड़ दिया।÷ बैंक ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रिपोर्ट के अनुसार, हालांकि, बख्शी को 38.38 लाख रुपये के भत्ते और अनुलाभ प्राप्त हुए। उन्हें आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इंश्योरेंस कंपनी से वित्तीय वर्ष 2016-17 और वित्त वर्ष 2017-18 के लिए विलंबित परिवर्तनीय वेतन के रूप में 63.60 लाख रुपए का परफॉर्मेंस बोनस भी मिला। निजी क्षेत्र के तीसरे सबसे बड़े बैंक एक्सिस बैंक के प्रमुख अमिताभ चौधरी को वेतन-भत्ते में 6.52 करोड़ रुपए मिले। बैंक ने साथ ही अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि उसके शीर्ष प्रबंधन के परितोषिक में 2020-21 में कोई वेतन वृद्धि नहीं की।

जगदीशन को प्राप्त वेतन भत्ता उनके बैंक के कर्मचारियों के औसत वेतन का 139 गुना, चौधरी का 104 गुना और आईसीआईसीआई बैंक के बख्शी का वेतन-भत्ता 96 गुना था।

ई-कॉमर्स नियम: कैट ने सख्त निगरानी और मौजूदा एकोनी कैपिटलिज्म को समाप्त करने की मांग की

नई दिल्ली।

भारत में संरचित और पारदर्शी ई-कॉमर्स व्यवसाय के संचालन के लिए ई-कॉमर्स नियमों के मसौदे को दिशानिदेशरें का एक आदर्श सेट बताते हुए, कन्फेडरेशन ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने कहा है कि, यदि नियमों को लागू किया जाता है तो देश में ई-कॉमर्स परिदृश्य में कथित रूप से मौजूद एकोनी कैपिटलिज्म को समाप्त करना चाहिए। व्यापारियों के निकाय ने ऑनलाइन बड़ी कंपनियों द्वारा इन नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए एक निगरानी तंत्र के साथ आने का भी सुझाव दिया है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय को लिखे पत्र में यह भी सुझाव दिया गया है कि नियमों का उल्लंघन होने पर दंडात्मक कार्रवाई की जानी चाहिए। कैट के महासचिव प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि विदेशी वित्त पोषित ई-टेलर और कुछ प्रमुख उद्योग मंडल मसौदा नियमों का विरोध करने के लिए लचर तर्क दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह मसौदा नियमों को हटाने के लिए उद्योग मंडलों द्वारा समर्थित कंपनियों के निहित स्वार्थों का एक भयावह जाल है। हालांकि, देश के आठ करोड़ से अधिक छोटे व्यवसाय किसी भी गलत आख्यान का विरोध करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, अगर कोई मसौदा नियमों के आसपास बनाने की कोशिश करता है। उन्होंने कहा कि भारत में ई-कॉमर्स व्यवसाय का समावेशी विकास काफी हद तक चार मूल सिद्धांतों पर निर्भर करता है - ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म का पारदर्शी संचालन, ई-कॉमर्स संस्थाओं द्वारा आसान पहुंच और पर्याप्त शिकायत निवारण, सभी हितधारकों के लिए मार्केटप्लेस प्लेटफॉर्म की गैर-भेदभावपूर्ण पहुंच मूल्य-श्रृंखला का, प्लेटफॉर्म पर बाजार के प्लेटफॉर्म, विक्रेताओं और विभिन्न सेवा प्रदाताओं के बीच हितों के टकराव से बचाव। संगठन ने आगे कहा कि किसी भी इकाई में इक्विटी या आर्थिक हित रखने वाले किसी भी बाजार को बडें बाजार पर सामान बेचने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए और इसे संबद्ध इकाई के रूप में माना जाना चाहिए।

भारत में इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने के लिए अधिक खर्च करने को तैयार हैं 90प्रतिशत उपभोक्ता

नई दिल्ली:

वैश्विक स्तर पर अगले 12 माह में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की बिक्री में जबर्दस्त बढ़ोतरी की संभावना है। परामर्शक कंपनी ईवाई का कहना है कि भारत में भी करीब 90 प्रतिशत उपभोक्ता इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने के लिए अधिक खर्च करने को तैयार हैं। ईवाई के मोबिलिटी कंज्यूमर इंडेक्स (एमसीआई) सर्वे में 13 देशों के 9,000 से अधिक लोगों की प्रतिक्रिया ली गई। इसमें भारत से 1,000 लोगों की राय ली गई है। यह सर्वे जुलाई की दूसरे पखवाड़े में किया गया। सर्वे में 40 प्रतिशत लोगों ने कहा कि वे इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने के लिए अन्य वाहनों की तुलना में 20 प्रतिशत अधिक खर्च करने को तैयार हैं। सर्वे के अनुसार, ''भारत में 10 में से तीन कार खरीदारों ने कहा कि वे इलेक्ट्रिक/हाइड्रोजन वाहन खरीदना पसंद करेंगे।'' सर्वे में शामिल ज्यादातर भारतीय उपभोक्ताओं का कहना था कि वे पूरी तरह चार्ज इलेक्ट्रिक वाहन से 100 से 200 मील चलने की उम्मीद करते हैं। सर्वे में कहा गया है कि भारत में 90 प्रतिशत उपभोक्ता इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने के लिए अधिक खर्च करने को तैयार हैं। इनमें से 40 प्रतिशत उपभोक्ता इन वाहनों के लिए 20 प्रतिशत तक अधिक खर्च करने को तैयार है।

मौजूदा और भविष्य में इलेक्ट्रिक वाहन के मालिक डिजिटल चैनल को अधिक प्राथमिकता देने की बात करते हैं। ईवाई इंडिया के भागीदार और ऑटोमोटिव क्षेत्र के लीडर विनय रघुनाथ ने कहा, ''इलेक्ट्रिक और अन्य प्रौद्योगिकी मंचों वाले वाहनों के स्वामित्व की लागत का अंतर घट रहा है। वहीं बड़ी संख्या में उपभोक्ता अब पर्यावरण के प्रति जागरूक हैं। इस वजह से इलेक्ट्रिक वाहन खरीदने को लेकर उपभोक्ताओं के व्यवहार में बदलाव आ रहा है।

जुलाई में नौकरी और आर्थिक संभावनाएं कमजोर बनी रहीं

नई दिल्ली।

देश में रोजगार परिदृश्य और आर्थिक संभावनाओं को लेकर शहरी भारतीयों का विश्वास कमजोर बना हुआ है, हालांकि जुलाई में सभी उपभोक्ता विश्वास में वृद्धि दर्ज की गई है। रिफाइनिटिव-इप्सोस प्राइमरी कंज्यूमर सेंटिमेंट इंडेक्स (पीसीएसआई) के अनुसार, एम्प्लॉयमेंट कॉन्फिडेंस सब-इंडेक्स 0.1 प्रतिशत अंक नीचे है, और इकोनॉमिक एक्सपेक्टेशंस सब इंडेक्स, 1.8 प्रतिशत अंक कम हो गया है। प्राथमिक उपभोक्ता भावना सूचकांक (पीसीएसआई), जो चार उप-सूचकांकों का गठन करता है, पिछले महीने की तुलना में जुलाई 2021 में 1.1 प्रतिशत अंक थोड़ा बेहतर हुआ। समग्र विकास को निवेश के माहौल और व्यक्तिगत वित्त स्थितियों के संदर्भ में बेहतर भावनाओं के लिए जिम्मेदार ठहराया जा सकता है। पीसीएसआई इन्वेस्टमेंट क्लाइमेट सब-इंडेक्स में 3.7 प्रतिशत की महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है जबकि वर्तमान व्यक्तिगत वित्तीय स्थिति सब-इंडेक्स में भी स्वस्थ 3.5 प्रतिशत अंक की वृद्धि हुई है। सीईओ, इप्सोस इंडिया,अमित अदारकर ने कहाप्रतिबंधों में ढील और जून से फिर से खोलने से आजीविका पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। हम व्यक्तिगत वित्त (घरों के दैनिक संचालन के लिए) और निवेश (भविष्य के लिए बचत और निवेश) के लिए भावना में एक मजबूत वृद्धि देख रहे हैं,। उन्होंने कहा,हालांकि, नौकरियों और विशेष रूप से अर्थव्यवस्था के आसपास की वसूली धीमी है। और जब तक बड़े पैमाने पर टीकाकरण एक वास्तविकता नहीं बन जाता है। हम सरकार को संक्रमण की एक और लहर को कम करने के लिए अत्यधिक सावधानी के साथ काम करते हुए देख सकते हैं। और इसलिए अर्थव्यवस्था को प्राप्त करने में अधिक समय लग सकता है। वापस ग्रिड पर। मेरा मानना है कि हमें स्वीकार करने की आवश्यकता होगी क्योंकि कोरोना वायरस का खतरा अभी भी खत्म नहीं हुआ है, कई अन्य देश एक नई लहर की शुरूआत का सामना कर रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ओलंपिक से लौट रहे खिलाड़ियों और अधिकारियों को जांच रिपोर्ट के बिना ही प्रवेश की अनुमति मिले : बत्रा

नई दिल्ली । भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष नरिंदर बत्रा ने कहा है कि टोक्यो ओलंपिक से लौट रहे खिलाड़ियों और अधिकारियों को कोरोना आरटी पीसीआर टेस्ट रिपोर्ट दिखाये बिना ही देश में प्रवेश की अनुमति मिले। बत्रा के अनुसार सभी खिलाड़ी खेलगांव में हर दिन कड़ी जांच प्रक्रिया से गुजर रहे हैं। ऐसे में उनके लिए स्वदेश वापसी पर आरटी पीसीआर टेस्ट की नेगेटिव रिपोर्ट जरुरी नहीं होनी चाहिये। इस मामले में बत्रा ने खेल सचिव रवि मित्तल को एक पत्र भी लिखा है। बत्रा ने कहा कि ओलंपिक से वापस लौट रहे खिलाड़ियों, अधिकारियों, आईओए प्रतिनिधियों, एनएसएफ अधिकारियों और मीडिया के लिए यह जांच रिपोर्ट जरुरी नहीं होनी चाहिये।'' गौरतलब है कि ओलंपिक प्रोटोकॉल के तहत खिलाड़ियों का रोज एंटीजेन टेस्ट और पॉजिटिव आने पर आरटी पीसीआर टेस्ट होता है। इसके साथ ही खिलाड़ियों को अपनी स्पर्धा पूरी होने के 48 घंटे के भीतर ही टोक्यो छोड़ना होता है। बत्रा ने सरकार से अनुरोध किया है कि वे जापानी सरकार से भारतीय दल को कोरोना जांच के बिना रवानगी की अनुमति देने के लिये कहे। रजत पदक विजेता मीराबाई चानू समेत भारोत्तोलन दल सोमवार को टोक्यों से स्वदेश रवाना होगा।

वर्ल्ड कैडेट रेसलिंग :

प्रिया मलिक ने रचा इतिहास

बेलारूस की पहलवान को हराकर जीता गोल्ड मेडल

(एजेंसी)।

विश्व कैडेट चैंपियनशिप में भारत के हाथों बड़ी सफलता लगी है। भारत की महिला खिलाड़ी प्रिया मलिक ने हंगरी में हो रही विश्व कुश्ती चैंपियनशिपमें गोल्ड मेडल जीत लिया है।प्रिया ने 73 किलो ग्राम भार में वर्ल्ड कैडेट कुश्ती चैंपियनशिप में बेलारूस की पहलवान को 5-0 से पराजित करके स्वर्ण पदक अपने नाम किया है। प्रिया की इस सफलता पर ट्विटर पर उनको बधाई देने वाले लोगों का तांता लग गया है। इस खुशी के मौके पर कांग्रेस पार्टी के सीनियर नेता रणदीप सुरजेवाला ने ट्वीट कर उन्हें बधाई दी है।

प्रिया मलिक के अन्य अवार्ड

- साल 2019 में खेलो इंडिया में गोल्ड मेडल जीता।
- साल 2020 में हुए राष्ट्रीय स्कूल खेलों में गोल्ड मेडल जीता।
- साल 2020 में ही पटना में हुई राष्ट्रीय कैडेट कुश्ती प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीता।

खेल मंत्री ने दी बधाई

प्रिया मलिक के विश्व कैडेट चैंपियनशिप में भारत को गोल्ड दिलाने पर हरियाणा के खेल मंत्री संदीप सिंह ने उन्हें बधाई दी है। उन्होंने लिखा, 'महिला कुश्ती खिलाड़ी प्रिया मलिक, हरियाणा की बेटी को हंगरी के बुडापेस्ट में आयोजित विश्व कैडेट रेसलिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने पर बधाई।

मैरीकॉम के पंच से धराशायी हुई गार्सिया

अगला मुकाबला 29 जुलाई को

टोक्यो (एजेंसी)।

भारत की शीर्ष महिला मुक्केबाज एमसी मैरीकॉम ने अपने पंच के बल पर ओलंपिक अभियान की पारी में शानदार आगाज करते हुए अगले दौर में अपना स्थान सुरक्षित कर लिया है। रविवार को 51 किलो फ्लाइवेट कैटेगरी के राउंड-32 के मुकाबले में उन्होंने अपने से 15 साल जूनियर डोमिनिका गणराज्य की मिगुएलिना हर्नांडिज गार्सिया को 4-1 से शिकस्त दी। मैरीकॉम का अगला मुकाबला 29 जुलाई को होगा। वह कोलंबिया की तीसरी वरीयता प्राप्त इंग्रिट वालेंसिया से भिड़ेंगी, जो 2016 रियो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता हैं। मुकाबले के शुरुआती दो रांउड में मैरीकॉम ने थोड़ा डिफेंसिव होकर खेलना उचित समझा और जरूरत के मुताबिक ही पंच बरसाए। दूसरी ओर, गार्सिया ने आक्रामक बॉक्सिंग करने की कोशिश की। इस दौरान कई बार रेफरी को कुछ मौकों पर अलग करने के लिए कहना पड़ा। तीसरे एवं अंतिम राउंड में मैरीकॉम ने आक्रामक खेल का परिचय देते हुए कुछ शानदार पंच जड़े। डोमिनिकन मुक्केबाज ने भी हमले की कोशिश की, लेकिन यह मुकाबला जीतने के लिए पर्याप्त नहीं था। चार जजों ने मैरीकॉम के प्रदर्शन को बेहतर बताया, वहीं केवल दूसरे जज ने गार्सिया के पक्ष में फैसला दिया। गार्सिया पैन अमेरिकी खेलों की कांस्य पदक विजेता हैं। मैरीकॉम को पहले जज ने 30, दूसरे ने 28, तीसरे ने 29, चौथे ने 30 और पांचवें जज ने 29 अंक दिए। वहीं, गार्सिया को पहले जज ने 27, दूसरे ने 29, तीसरे ने 28, चौथे ने 27 और आखिरी जज ने कुल 28 अंक दिए। मणिपुर की रहने वाली मैरीकॉम ओलंपिक मेडल जीतने वाली इकलौती भारतीय महिला मुक्केबाज हैं। मैरीकॉम ने लंदन ओलंपिक 2012 के 51 किलोग्राम फ्लाइवेट वर्ग में कांस्य पदक जीता था। टोक्यो में भी 38 साल की इस स्टार मुक्केबाज से पदक की उम्मीद की जा रही है।

ओलंपिक टेनिस : सानिया-अंकिता पहले दौर में बाहर

टोक्यो। सानिया मिर्जा और अंकिता रैना की भारतीय जोड़ी टोक्यो ओलंपिक में महिला युगल के पहले दौर में बाहर हो गई। सानिया और अंकिता रविवार को एरियाके टेनिस पार्क में यूक्रेन की किचेनोक बहनों-ल्यूडमिला और नादिया से 0-6, 7-6(0) 10-8 से हार गईं, जिससे उनके अभियान का आगाज होते ही अंत हो गया। सानिया और अंकिता ने बीच में ही मैच पर पूरी तरह से नियंत्रण कर लिया था, लेकिन यूक्रेनियन जोड़ी को वापसी करने की अनुमति दी और अंत में मैच गंवा बैठीं। भारतीय जोड़ी ने पहला सेट 21 मिनट में 6-0 से जीत लिया था, जिससे बहनों को ब्रेक-इन की कोई गुंजाइश नहीं थी। दूसरे सेट में सानिया और अंकिता 5-3 से आगे चल रही थीं, इससे पहले कि स्क्रिप्ट में ट्विस्ट आए यूक्रेनियन जोड़ी ने सानिया की सर्विस को तोड़कर वापसी की और सेट को टाई-ब्रेक पर ले गइ। इसे उन्होंने प्रभावशाली ढंग से 7-0 से जीत लिया, जिससे तीसरा सेट निर्णायक हो गया। सुपर टाई-ब्रेकर में, सानिया और अंकिता सनसनीखेज रूप से लड़खड़ाती दिख रही थीं। यगही कारण है कि भारतीय जोड़ी 0-8 से नीचे चली गईं। लेकिन भारतीय जोड़ी ने वापसी की और स्कोर को 8-8 से बराबर कर कर लिया। किचेनोक बहनों ने हालांकि अंतिम दो निर्णायक अंक हासिल कर सुपर टाई-ब्रेकर को 10-8 से अपने नाम किया और इसी के साथ मैच भी जीत लिया। सानिया और अंकिता के समय से पहले बाहर होने के बाद अब सुमित नागल के रूप में टोक्यो ओलंपिक में भारत के लिए एकमात्र टेनिस उम्मीद बची हुई है। पहले दौर में उज्बेकिस्तान के डेनिस इस्तोमिन को हराकर नागल दूसरे दौर में आरओसी के दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी डेनियल मेदवेदेव से भिड़ेंगे।

ओलंपिक (टेटे) : मनिका बत्रा की शानदार जीत, एकल के तीसरे दौर में पहुंची

टोक्यो (एजेंसी)।

भारत की अग्रणी महिला टेबल टेनिस स्टार मनिका बत्रा ने रविवार को टोक्यो ओलंपिक में महिला एकल टेबल टेनिस स्पर्धा के दूसरे दौर में यूक्रेन की मार्गरीटा पेसोत्स्का पर सनसनीखेज जीत हासिल कर तीसरे दौर में पहुंच गई हैं। मनिका टेबल टेनिस एकल मुकाबलों मे तीसरे दौर में जाने वाली पहली भारतीय हैं। मनिका ने विवार को मेट्रोपॉलिटन जिमनैजियम में 0-2 से पिछड़ने के बाद टोक्यो में 57 मिनट तक चले मैच में मार्गरीटा पर 4-11, 4-11, 11-7, 12-10, 8-11, 11-5, 11-7 से जीत हासिल की। विश्व रैंकिंग में 32वें स्थान पर काबिज मार्गरीटा ने शुरूआती बढ़त हासिल की क्योंकि मनिका पहले दो गेम्स में सिर्फ आठ अंक हासिल करने में सफल रही। इसके बाद भारतीय खिलाड़ी ने तीसरे गेम में लंबी रैलियां कीं और तीसरा गेम 11-7 से जीता और उसके बाद चौथे में भी रोमांचक जीत हासिल की। मार्गरीटा ने पांचवां गेम 11-8 से जीतकर बढ़त बना ली। लेकिन मनिका ने वापसी करते हुए छठा गेम जीत लिया और अंतिम गेम को निर्णायक बना दिया। मनिका ने यह गेम 11-7 से जीतते हुए मैच अपने नाम कर लिया। मनिका का सामना अब ऑस्ट्रिया की 10वीं वरीयता प्राप्त सोफिया पोल्कानोवा से होगा।

संक्षिप्त समाचार

मीराबाई को एक करोड़ रुपये का इनाम देगी मणिपुर सरकार

नई दिल्ली । मणिपुर के मुख्यमंत्री नोंगथोमबाम बिरेन सिंह ने टोक्यो ओलंपिक में रजत पदक विजेता महिला भारोत्तोलक मीराबाई चानू को एक करोड़ रुपए का इनाम देने की घोषणा की है। चानू ने शनिवार को महिलाओं की 49 किग्रा भारोत्तोलन स्पर्धा में पहला रजत जीता था। टोक्यो ओलंपिक में चानू भारत की ओर से पहला पदक जीतने वाली पहली खिलाड़ी हैं। मुख्यमंत्री नोंगथोमबाम बिरेन सिंह ने तोक्यो ओलंपिक में रजत पदक जीतने के लिए चानू को बधाई भी दी। मुख्यमंत्री बिरने सिंह ने कहा, ''हम भारतीयों को आप पर गर्व है। मणिपुर राज्य के लोग 2020 तोक्यो ओलंपिक में हमारे खिलाड़ियों के पदक जीतने के लिए भगवान से प्रार्थना कर रहे हैं।'' मीराबाई ने पदक जीतने के बाद मणिपुर के मुख्यमंत्री से कहा, ''यह भविष्य में और अधिक पदक जीतने की शुरुआत है। आगामी वर्षों में मैं स्वर्ण पदक जीतने का प्रयास करूंगी।''

ओलंपिक (हॉकी) : ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय पुरुष हॉकी टीम को 7-1 से दी शिकस्त

टोक्यो (एजेंसी)।

ऑस्ट्रेलिया ने भारतीय पुरुष हॉकी टीम को यहां चल रहे ओलंपिक में ग्रुप चरण के पूल ए मुकाबले में रविवार को 7-1 से करारी शिकस्त दी।भारत ने ओलंपिक के अपने पहले मैच में न्यूजीलैंड को 3-2 से हराकर अपने अभियान की शानदार शुरूआत की थी। लेकिन इस मुकाबले में उसने बेहद निराश किया और उसे एकतरफा मुकाबले में पराजय झेलनी पड़ी। ऑस्ट्रेलिया की ओर से ब्लैक गोवर्स ने दो गोल किए जबकि टिम ब्रांड, जोशुआ बेल्ट्ज, फ्लीन एंड्रयू ओगिलवी, जेरेमी थॉमस हेवार्ड और डेनियल जेम्स बिएले ने एक-एक गोल किया। भारत की तरफ से एकमात्र गोल दिलप्रीत सिंह ने किया। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से पहले क्वार्टर में डेनियल ने 10वें मिनट में गोल कर टीम को शुरूआती बढ़त दिलाई। इसके बाद दूसरे हॉफ में हेवार्ड ने 21वें, ओगिलवी ने 23वें और जोशुआ ने 26वें मिनट में गोल कर टीम की बढ़त 4-0 कर दी।तीसरे क्वार्टर की शुरूआत में हालांकि दिलप्रीत ने 34वें मिनट में गोल कर इस बढ़त को 1-4 किया लेकिन गोवर्स ने फिर 40वें और 42वें मिनट में लगातार दो गोल कर ऑस्ट्रेलिया को 6-1 की मजबूत बढ़त दिला दी। चौथे और अंतिम क्वार्टर में ऑस्ट्रेलिया की तरफ से टिम ने गोल कर स्कोर 7-1 कर दिया। निर्धारित समय तक भारतीय टीम बराबरी या बढ़त हासिल नहीं कर सकी और उसे करारी हार झेलनी पड़ी। भारतीय टीम का ग्रुप चरण में अगला मुकाबला 27 जुलाई को स्पेन से होगा।

ओलंपिक (महिला टेनिस) : स्पेन की सारा ने दुनिया की नंबर-1 बार्टी को बाहर का रास्ता दिखाया

टोक्यो। स्पेन की सारा सोरिब्स टोरमो ने टोक्यो ओलंपिक खेलों में महिला टेनिस में रविवार को सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया की एशले बार्टी को 6-4, 6-3 से हरा दिया। प्रभाव दिखाने के लिए अपने लूपिंग शॉट्स का उपयोग करते हुए, और ऐसे में जबकि एशले के फोरहैंड काम नहीं कर रहे थे, सारा ने विंबलडन चैंपियन को आसानी से हरा दिया। इस मैच में एशले ने 55 बेजां गलतियां कीं। इस सीजन में चार खिताब जीतने वाली 25 वर्षीय एशले को अब अपने पार्टनर स्टॉर्म सैंडर्स के साथ युगल स्पर्धा में पदक जीतने की कोशिश करनी होगी, जहां वह छठे नंबर की खिलाड़ी हैं। एशले ने मैच के बाद ओलंपिक चैनल के प्रसारण पर कहा, वास्तव में निराशाजनक दिन। मैं युगल के लिए वास्तव में उत्साहित हूं। मेरे पास अभी भी एक मौका ह , देश को को गौरवान्वित करने के लिए। 24 वर्षीय सारा का अगला मुकाबला फ्रांस की फियोना फेरो से होगा, जिन्होंने दूसरे दौर में लातविया की अनास्तासिजा सेवस्तोवा को 2-6, 6-4, 6-2 से हराया। सारा ने मैच के बाद कहा, यह आश्चर्यजनक है। मैं इस पर विश्वास नहीं कर सकती। यह कुछ ऐसा है जिसका मैं जीवन भर सपना देखती रही हूं। मैं यह नहीं बता सकती कि मैं कितना खुश हूं।

चेन्नइयन एफसी ने भारतीय स्ट्राइकर जॉबी जस्टिन से किया करार

चेन्नई। आईएसएल क्लब चेन्नइयन एफसी (सीएफसी) ने 2021-22 इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) सीजन से पहले 2 साल के अनुबंध पर स्ट्राइकर जॉबी जस्टिन से करार किया है। केरल निवासी जस्टिन ने 2019/20 सीजन के अपने खिताबी अभियान में एटीके के साथ आईएसएल में पदार्पण किया थाऔर उस सीजन में 10 मैच खेले थे। जस्टिन ने कहा, मैं चेन्नइयन एफसी जैसे प्रसिद्ध क्लब से प्रस्ताव पाकर वास्तव में खुश हूं। एक दक्षिण भारतीय होने के नाते, मैं हमेशा एक दक्षिण-आधारित टीम के लिए खेलना चाहता था और जब चेन्नइयन एफसी जैसा प्रतिष्ठित क्लब प्रस्ताव लेकर आया, तो यह मेरे लिए एक आसान निर्णय था। सीएफसी की सह-मालिक वीटा दानी ने कहा, जॉबी के हस्ताक्षर से उस क्षेत्र को बढ़ावा मिलता है जिसकी पिछले सीजन में कमी थी। हम इस तरह के आक्रमण के इरादे से एक भारतीय खिलाड़ी को पाकर खुश हैं और मुझे यकीन है कि वह हमारे परिवार में मूल रूप से फिट होगा।

ओलंपिक (टेटे) : भारत के साथियान दूसरे दौर में हारे

टोक्यो। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी साथियान गनाशेखरन टोक्यो ओलंपिक में पुरुष एकल स्पर्धा से बाहर हो गए हैं। साथियान को दूसरे दौर के मैच में हांगकांग के लाम सिउ हैंग से 3-4 से हार गए। दुनिया के 26वें नंबर के खिलाड़ी साथियान ने पहले चार सेटों में से तीन पर कब्जा किया लेकिन अगले तीन में हार गए। साथियान यह मुकाबला 7-11, 11-7, 11-4, 11-5, 9-11, 10-12 और 6-11 से हारे। पहले दौर में बाई पाने वाले साथियान ने इससे पहले दो बार हैंग को हराया था लेकिन इस बार वह हैंग के आगे नहीं टिक सके। अब तीसरे दौर में हैंग का सामना जापान के दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी तोमोकाजू हरिमोटो से होगा। टेटे में महिला वर्ग में भारत की मनिका बत्रा दूसरे दौर में पहुंच गई हैं। मिश्रत युगल में हालांकि मनिका और अचंता कमल की जोड़ी पहले दौर में ही हारकर बाहर हो गई है।

ओलंपिक (बैडमिंटन) : टोक्यो में सिंधु का विजयी आगाज

टोक्यो (एजेंसी)।

रियो ओलंपिक में रजत पदक जीतने वाली भारत की अग्रणी महिला बैडमिंटन स्टार पीवी सिंधु ने रविवार को जीत के साथ टोक्यो ओलंपिक का आगाज किया है।

सिंधु, जिन्हें टोक्यो में छठी वरीयता मिली है और जो टोक्यो में भारत की सबसे बड़ी पदक की दावेदार हैं, ने महिला एकल के ग्रुप-जे के अपने पहले मुकाबले में इजरायल की सेनिया पोलीकारपोवा को हराया। मौजूदा विश्व चैम्पियन सिंधु ने 28 मिनट तक चले इस मुकाबले को 21-7, 21-10 से जीता। 2016 के रियो ओलंपिक में सिंधु ने फाइनल में जगह बनाई थी लेकिन स्पेन की कैरोलिना मारिन के हाथों उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। हालांकि, सिंधु ने मैच में बहुत ध्यान केंद्रित किया और अपना सामान्य खेल खेला। सिंधु ने कहा, भले ही मेरी प्रतिद्वंद्वी निचली रैंक की थी, लेकिन मैं यह नहीं मानती थी कि यह आसान होगा। ध्यान केंद्रित करना महत्वपूर्ण है। मैंने सुनिश्चित किया कि हमारे पास कुछ रैलियां हों और मुझे कोर्ट की आदत हो। सिंधु ने कहा कि उन्होंने मैच का इस्तेमाल कठिन विरोधियों के लिए तैयारी के रूप में किया, जिनका सामना नॉकआउट चरण में होगा। सिंधु ने कहा, यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि आप अपने सभी स्ट्रोक खेलें और कोर्ट पर उनकी आदत डालें क्योंकि आप उन्हें एक मजबूत प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ अचानक नहीं खेल सकते हैं। यह जानना महत्वपूर्ण है कि आपके स्ट्रोक हैं अच्छे चल रहे हैं या नहीं। सिंधु ने कहा कि वह अगले मैच में हांगकांग की चेउंग नगन यी के खिलाफ तीन-खिलाड़ियों के समूह में इसी दृष्टिकोण के साथ जारी रखेंगी। इस मैच से विजेता प्री-क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करेगी। सिंधु ने कहा, प्रत्येक मैच महत्वपूर्ण है, और यह एक समय में एक मैच है। मैं अपने अगले प्रतिद्वंद्वी (चेउंग नगन यी) के बारे में सोच रही हूं। मुझे दर्शकों की कमी खलेगी, लेकिन हर कोई वस्तुत: मेरा समर्थन कर रहा है। दबाव के बारे में पूछे जाने सिंधु ने कहा कि वह टोक्यो ओलंपिक को एक नए टूर्नामेंट के रूप में ले रही हैं और अतीत के बारे में ज्यादा नहीं सोच रही हैं। बकौल सिधु, टोक्यो एक नई शुरूआत है, और हर दिन तैयार रहना महत्वपूर्ण है। हर कोई शीर्ष रूप में होगा। मैं उस मानसिकता के साथ आई थी और मैं अतीत के बारे में नहीं सोच रही हूं।

ओलंपिक (निशानेबाजी) : एयर राइफल फाइनल में नहीं पहुंच सके पंवार, दीपक

टोक्यो। भारतीय राइफल निशानेबाज दिव्यांश सिंह पंवार और दीपक कुमार रविवार को टोक्यो ओलंपिक में पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा के फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रहे। इस स्पर्धा में वर्ल्ड नम्बर-2 और नौवें क्रम पर काबिज निशानेबज पंवार और दीपक ओलंपिक खेलों में पदार्पण कर रहे थे। दीपक 624.7 के स्कोर के साथ 26वें स्थान पर रहे, जबकि पंवार 622.8 के स्कोर के साथ असका शूटिंग रेंज में क्वालीफिकेशन चरण में 32वें स्थान पर रहे। दीपक और पंवार को पहली दो सीरीज में कम स्कोर की शूटिंग के बाद कैच-अप खेलने के लिए मजबूर होना पड़ा। लेकिन यह दोनों के लिए फाइनल में पहुंचने वाले शीर्ष-8 निशानेबाजों में जगह बनाने के लिए पर्याप्त नहीं था। चीन के हाओरन यांग 632.7 के साथ चार्ट में सबसे ऊपर रहे। इसके बाद अमेरिका के लुकास कोजेनिस्की और विलियम शैनर क्रमश: 631.5 और 630.8 अंकों के साथ दूसरे और तीसरे क्रम पर रहे। स्लोवाकिया के पैट्रिक जेनी 630.5 के साथ चौथे स्थान पर रहे। अन्य फाइनलिस्ट में तुर्की के ओमर एकगुन, आरओसी के व्लादिमीर मास्लेनिकोव, हंगरी के इस्तवान पेनी और चीन के लिहाओ शेंग शामिल हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

श्रावण मास पर रुद्र के माहात्म्य

सावन में रुद्राभिषेक की परंपरा है। शिवजी को रुद्र इसलिए कहा जाता है, क्योंकि मान्यता है कि वे रुत अर्थात दैहिक, दैविक और भौतिक दुखों का नाश करते हैं। श्रावण मास पर रुद्र के माहात्म्य पर आलेख..

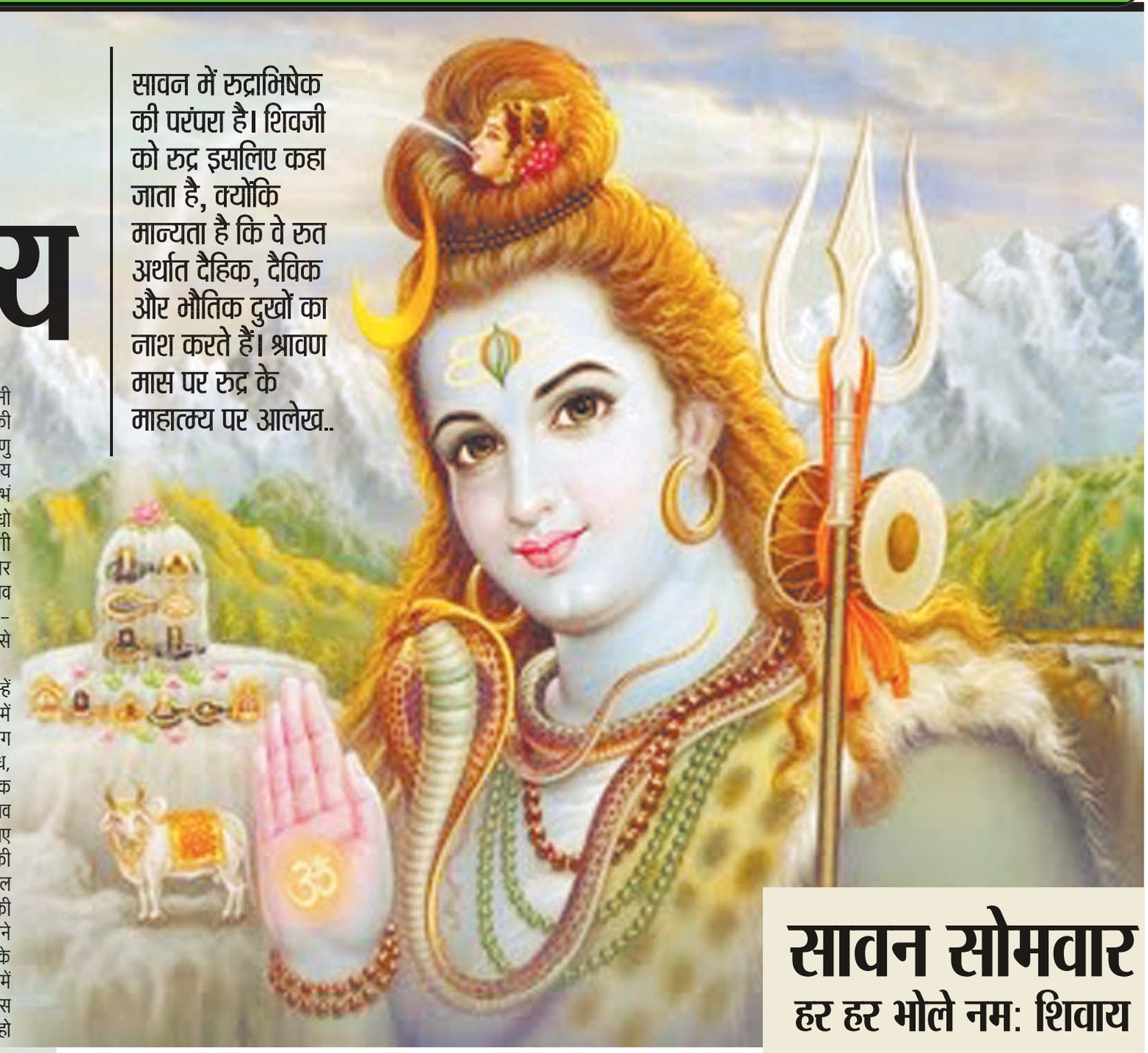

वेद सर्वाधिक प्राचीन ग्रंथ माने जाते हैं। शास्त्रों के अनुसार, वेद- शिव- शिवो वेद- यानी वेद शिव हैं और शिव वेद हैं। अर्थात शिव वेदस्वरूप हैं। इसके साथ ही वेद को भगवान सदाशिव का निःश्वास बताते हुए उनकी स्तुति में कहा गया है - यस्य निःश्वसितं वेदायो वेदेभ्योखिलं जगत। निर्ममे तमहं वंदे विद्यातीर्थ महेश्वरम।। अर्थात वेद जिनके निःश्वास हैं, जिन्होंने वेदों के माध्यम से संपूर्ण सृष्टि की रचना की है और जो समस्त विद्याओं के तीर्थ हैं, ऐसे देवों के देव महादेव की मैं वंदना करता हूं। सनातन संस्कृति में वेदों की तरह शिव जी को भी अनादि कहा गया है।

वेदों में साम्ब सदाशिव को रुद्र नाम से पुकारा गया है। शिवजी को रुद्र इसलिए कहा जाता है, क्योंकि ये रुत अर्थात दुख को दूर कर देते हैं। जो दैहिक, दैविक और भौतिक दुखों का नाश करते हैं, वे रुद्र हैं। इसीलिए उन्होंने त्रिशूल धारण किया है। रुद्रहृदयोपनिषद कहता है, सर्वदेवात्मको रुद्रः अर्थात रुद्र सर्वदेवमय हैं। अथर्व शिखोपनिषद भी इसका समर्थन करता है - रुद्रो वै सर्वा देवता अर्थात रुद्र समस्त देवताओं का स्वरूप हैं। यजुर्वेद के रुद्राध्याय में रुद्रोपासना का विधान मिलता है। इसमें रुद्र शब्द के सौ पर्यायवाची नामों का उल्लेख होने से इसे शतरुद्री भी कहते हैं। माना जाता है कि शतरुद्री के माहात्म्य का उपदेश महर्षि याज्ञवल्क्य ने राजा जनक को दिया था। श्वेताश्वतरोपनिषदके अनुसार, महाप्रलय के समय एकमात्र रुद्र ही विद्यमान रहते हैं। श्रुतियों से यह तथ्य विदित होता है कि रुद्र ही परमपुरुष यानी आदिदेव साकार बहमा हैं, जिनके द्वारा ही सृष्टि की रचना, पालन और संहार होता है। ब्रहमा, विष्णु और महेश इनकी त्रिमूर्ति हैं। रुद्र का परिचय शास्त्रों में इस प्रकार भी दिया गया है - अशुभं द्रावयन् रुद्रो यज्जाहार पुनर्भवम। ततः स्मृताभिधो रुद्रशब्देनात्राभिधीयते।। अर्थात जो प्राणी जीवनकाल में सब अनिष्टों को दूर करते हैं और शरीर त्यागने पर मुक्ति प्रदान करते हैं, वे सदाशिव रुद्र के नाम से जाने जाते हैं। इसी कारण दुखों-कष्टों से मुक्ति तथा सद्गति प्राप्त करने के उद्देश्य से मनुष्य रुद्रोपासना करता आया है।

रुद्र को अभिषेकप्रिय रुद्र कहा गया है, यानी उन्हें अभिषेक पसंद है। इसीलिए सावन के महीने में रुद्र का अभिषेक किया जाता है। सामान्यतः लोग जल द्वारा अभिषेक करते हैं, तो सामर्थ्यवान दूध, दही, शहद आदि विभिन्न द्रव्यों से उनका अभिषेक करते हैं। मान्यता है कि श्रावण मास में भगवान शिव ने समुद्र मंथन से उत्पन्न विष को जनकल्याण के लिए पिया था, तब इंद्र ने शीतलता देने के लिए वर्षा की थी, इसी कारण श्रावण मास में शिव जी को जल अर्पित करने की परंपरा शुरू हुइ। भगवान शंकर की शक्ति पार्वती पर्वतराज हिमालय की पुत्री हैं। हमने पर्वतीय क्षेत्र को जो क्षति पहुंचाई है, उसके विनाशकारी परिणाम दिखाई देते हैं। इसलिए हमें हिमालय की पवित्रता बनाए रखने का संकल्प इस सावन में लेना चाहिए, तभी शिवार्चन सफल हो सकेगा और शिव हमेशा कल्याणकारी होंगे।

सावन सोमवार
हर हर भोले नमः शिवाय

सावन और शिव का भारतीय संस्कृति से गहरा मेल है। सावन के झूलों से लेकर सावन सोमवार की बेलपत्री तक..सब कुछ मानो भावनाओं को हरा-भरा कर देने वाला। सावन के आते ही शिव भक्तों में पूजा अर्चना के लिए नई उमंग का संचार हो गया है। चारों ओर गूंजने लगे हैं बोल बम.. के जयकारे और हरे व केसरिया रंग से धरती पट सी गई है। सावन सोमवार को शिवालयों में सुबह से शाम तक भक्तों का तांता लगा रहेगा। हर कोई भोले से वरदान मांगने पहुंच जाता है उनके द्वार। शास्त्रों और पुराणों का कहना है कि श्रावण मास भगवान शंकर को अत्यंत प्रिय है। इस माह में शिवार्चना के लिए प्रमुख सामग्री बेलपत्र और धतूरा सहज सुलभ हो जाता है। सच पूछा जाए तो भगवान शिव ही ऐसे देवता है, जिनकी पूजा-अर्चना के लिए सामग्री को लेकर किसी प्रकार की परेशानी नहीं होती। अगर कोई सामग्री उपलब्ध न हो तो जल ही काफी है। भक्ति भाव के साथ जल अर्पित कीजिए और भगवान शिव प्रसन्न।

जल चढ़ाओ और जो चाहे मांग लो

शास्त्रों के अनुसार श्रावण मास भगवान शकर को विशेष प्रिय है। अतः इस मास में आशुतोष भगवान शकर की पूजा का विशेष महत्व है। सोमवार शकर का प्रिय दिन है। इसलिए श्रावण सोमवार का और भी विशेष महत्व है। भगवान शकर का यह व्रत सभी मनोकामनाओं को पूर्ण करने वाला है। इस मास में लघुरुद्र, महारुद्र अथवा अतिरुद्र पाठ करके प्रत्येक सोमवार को शिवजी का व्रत किया जाता है। प्रातः काल गगा या किसी पवित्र नदी सरोवर या घर पर ही विधि पूर्वक स्नान करने का विधान है। इसके बाद शिव मदिर जाकर या घर में पार्थिव मूर्ति बना कर यथा विधि से रुद्राभिषेक करना अत्यत ही फलदायी है। इस व्रत में श्रावण महात्म्य और विष्णु पुराण कथा सुनने का विशेष महत्व है।

ऐसे करें शिव को प्रसन्न

श्रावण मास में आने वाले सोमवार के दिनों में भगवान शिवजी का व्रत करना चाहिए और व्रत करने के बाद भगवान श्री गणेश जी, भगवान शिवजी, माता पार्वती व नन्दी देव की पूजा करनी चाहिए। पूजन सामग्री में जल, दुध, दही, चीनी, घी, शहद, पंचामृत,मोली, वस्त्र, जनेऊ, चन्दन, रोली, चावल, फूल, बेल-पत्र, भा ंग, आक-धतूरा, कमल,गट्टा, प्रसाद, पान-सुपारी, लौंग, इलायची, मेवा, दक्षिणा चढाया जाता है। इस दिन धूप दीया जलाकर कपूर से आरती करनी चाहिए। व्रत के दिन पूजा करने के बाद एक बार भोजन करना चाहिए। और श्रावण मास में इस माह की विशेषता का श्रवण करना चाहिए।

श्रावण मास शिव उपासना महत्व

भगवान शिव को श्रावण मास सबसे अधिक प्रिय है। इस माह में प्रत्येक सोमवार के दिन भगवान श्री शिव की पूजा करने से व्यक्ति की सभी मनोकामनाएं पूरी होती है। इस मास में भक्त भगवान शकर का पूजन व अभिषेक करते है। सभी देवों में भगवान शकर के विषय में यह मान्यता प्रसिद्ध है, कि भगवान भोलेनाथ शीघ्र प्रसन्न होते है। एक छोटे से बिल्वपत्र को चढ़ाने मात्र से तीन जन्मों के पाप नष्ट होते है।

श्रावण मास के विषय में प्रसिद्ध एक पौराणिक मान्यता के अनुसार श्रावण मास के सोमवार व्रत, एक प्रदोष व्रत तथा और शिवरात्री का व्रत जो व्यक्ति करता है, उसकी कोई कामना अधूरी नहीं रहती है। 12 ज्योतिर्लिंगों के दर्शन के समान यह व्रत फल देता है।

इस व्रत का पालन कई उद्देश्यों से किया जा सकता है। महिलाएं श्रावण के 16 सोमवार के व्रत अपने वैवाहिक जीवन की लंबी आयु और संतान की सुख-समृद्धि के लिये करती है, तो यह अविवाहित कन्याएं इस व्रत को पूर्ण श्रद्धा से कर मनोवांछित वर की प्राप्ति करती है। सावन के 16 सोमवार के व्रत कुल वृद्धि, लक्ष्मी प्राप्ति और सुख -सम्मान के लिये किया जाता है।

शिव पूजन में बेलपत्र प्रयोग करना

भगवान शिव की पूजा जब बेलपत्र से की जाती है, तो भगवान अपने भक्त की कामना बिना कहे ही पूरी करते है. बिल्व पत्र के बारे में यह मान्यता प्रसिद्ध है, कि बेल के पेड़ को जो भक्त पानी या गंगाजल से सींचता है, उसे समस्त तीथरें की प्राप्ति होती है। वह भक्त इस लोक में सुख भोगकर, शिवलोक में प्रस्थान करता है। बिल्व पत्थर की जड़ में भगवान शिव का वास माना गया है। यह पूजन व्यक्ति को सभी तीथरें में स्नान करने का फल देता है।

सावन माह व्रत विधि

सावन के व्रत करने से व्यक्ति को सभी तीथरें के दर्शन करने से अधिक पुन्य फल प्राप्त होते है। जिस व्यक्ति को यह व्रत करना हो, व्रत के दिन प्रातः काल में शीघ्र सूर्योदय से पहले उठना चाहिए। श्रावण मास में केवल भगवान श्री शकर की ही पूजा नहीं की जाती है, बल्कि भगवान शिव की परिवार सहित पूजा करनी चाहिए। सावन सोमवार व्रत सूर्योदय से शुरु होकर सूर्यास्त तक किया जाता है। व्रत के दिन सोमवार व्रत कथा सुननी चाहिए। तथा व्रत करने वाले व्यक्ति को दिन में सूर्यास्त के बाद एक बार भोजन करना चाहिए।

प्रातःकाल में उठने के बाद स्नान और नित्यक्रियाओं से निवृत होना चाहिए। इसके बाद सारे घर की सफाई कर, पूरे घर में गंगा जल या शुद्ध जल छिड़कर, घर को शुद्ध करना चाहिए। इसके बाद घर के ईशान कोण दिशा में भगवान शिव की मूर्ति या चित्र स्थापित करना चाहिए। मूर्ति स्थापना के बाद सावन मास व्रत संकल्प लेना चाहिए।

श्रीमल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग के दर्शन से पूरी होती हैं मनोकामनाएं

दक्षिण भारत में कैलाश के नाम से मशहूर आंध्र प्रदेश का श्रीमल्लिकार्जुन मंदिर भारत के बारह ज्योतिर्लिंगों में से एक है। यह ज्योतिर्लिंग कृष्णा नदी के तट पर श्रीसैलम नाम के पर्वत पर स्थित है। ऐसी मान्यता है कि इस मंदिर के दर्शन करने से सात्विक मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

श्रीमल्लिकार्जुन का पौराणिक महत्व

एक बार भगवान शिव और पार्वती के पुत्र कार्तिकेय स्वामी और गणेश अपने विवाह के लिए आपस में कलह करने लगे। कार्तिकेय का मानना था कि वे बड़े हैं, इसलिए उनका विवाह पहले होना चाहिए, किन्तु श्री गणेश अपना विवाह पहले कराने को लेकर जिद्द पर अड़े थे। जब दोनों के झगड़े की वजह पिता महादेव और माता पार्वती को पता लगी तो उन्होंने इस झगड़े को खत्म करने के लिए कार्तिकेय और गणेश के सामने एक प्रस्ताव रखा। उन्होंने कहा कि तुम दोनों में जो कोई भी पृथ्वी की परिक्रमा करके पहले यहां आ जाएगा, उसी का विवाह पहले होगा। शर्त सुनते ही कार्तिकेय जी पृथ्वी की परिक्रमा करने के लिए दौड़ पड़े लेकिन गणेशजी के लिए तो यह कार्य बड़ा ही कठिन था।

गणेश जी शरीर से स्थूल किन्तु बुद्धि के सागर थे। उन्होंने एक उपाय सोचा और अपनी माता पार्वती तथा पिता देवाधिदेव महेश्वर से एक आसन पर बैठने का आग्रह किया। गणेश ने उनकी सात परिक्रमा की। इस तरह से वह पृथ्वी की परिक्रमा से प्राप्त होने वाले फल की प्राप्ति के अधिकारी बन गए। उनकी चतुर बुद्धि को देख कर शिव और पार्वती दोनों काफी खुश हुए और उन्होंने श्रीगणेश का विवाह कार्तिकेय से पहले करा दिया। जब तक स्वामी कार्तिकेय सम्पूर्ण पृथ्वी की परिक्रमा करके वापस आए, उस समय तक श्रीगणेश जी का विवाह विश्वरूप प्रजापति की पुत्रियों सिद्धि और बुद्धि के साथ हो चुका था, जिनसे उन्हें क्षेम तथा लाभ नामक दो पुत्र भी प्राप्त हो चुके थे।

यह सब देखकर स्वामी कार्तिकेय नाराज हो गए और क्रौंच पर्वत की ओर चले गए। उन्हें मनाने के लिए देवर्षि नारद को भेजा गया लेकिन वह नहीं माने। कार्तिकेय के चले जाने पर माता पार्वती भी क्रौंच पर्वत पहुंचीं। उधर भगवान शिव भी ज्योतिर्लिंग के रूप में वहां प्रकट हुए। तभी से वह मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग के नाम से विख्यात हुए। मल्लिका माता पार्वती का नाम है, जबकि अर्जुन भगवान शंकर को कहा जाता है। इस कथा के अलावा और भी कई कथाएं हैं जो मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग के बारे में कही जाती हैं।

कैसे पहुंचे - मल्लिकार्जुन ज्योतिर्लिंग आंध्र प्रदेश के श्रीसैलम में मौजूद है। आप सड़क, रेल और हवाई यात्रा के जरिए इस ज्योतिर्लिंग के दर्शन कर सकते हैं। सड़क के जरिए श्रीसैलम पूरी तरह से जुड़ा हुआ है। विजयवाड़ा, तिरुपति, अनंतपुर, हैदराबाद और महबूबनगर से नियमित रूप से श्रीसैलम के लिए सरकारी और निजी बसें चलाई जाती हैं। श्रीसैलम से 137 किलोमीटर की दूरी पर स्थित हैदराबाद का राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट सबसे नजदीकी एयरपोर्ट है। यहां से आप बस या फिर टैक्सी के जरिए मल्लिकार्जुन पहुंच सकते हैं। यहां का नजदीकी रेलवे स्टेशन मर्कापुर रोड है जो श्रीसैलम से 62 किलोमीटर की दूरी पर है।

एतिहासिक जंगेश्वर मंदिर

प्राचीन व एतिहासिक शिव मंदिरों में से एक पलवल के जंगेश्वर मंदिर में श्रावण माह में हर सोमवार को हजारों श्रद्धालु आकर पूजा अर्चना करते हैं। इस मंदिर की मान्यता दूर-दूर तक है। पुराने शहर में स्थापित यह मंदिर लोगों की आस्था का मुख्य केंद्र माना जाता है। पड़वा से पूनो तक श्रावण माह में विशेष पूजा अर्चना की जाती है।

पौराणिक व एतिहासिक महत्व

मंदिर का पौराणिक व एतिहासिक महत्व है। यह इसके नाम से ही पता लगता है। मंदिर का इतिहास काफी पुराना है। पहले इस मंदिर को विधर्मियों ने तोड़कर इसके ऊपर अन्य निर्माण कर दिए थे। फिर इसे काफी संघर्ष के बाद हासिल किया गया। खुदाई की गई तो प्राचीन शिवालय निकला। सन् 1802 में इस मंदिर का पुनः निर्माण किया गया।

मूर्ति व मंदिर के निर्माण की विशेषता

मंदिर में स्थापित शिवलिंग पत्थर का है। मौजूदा लोगों में से किसी को नहीं मालूम कि यह कितना पुराना है। मंदिर के पुजारी राम कुमार बताते हैं कि यह कुदरती है। इस शिवालय का मुख्य मुख पूर्व की तरफ है। जबकि इसके दो अन्य दरवाजे पश्चिम व दक्षिण की तरफ खुलते हैं।

मंदिर की स्थापत्य शैली

जंगेश्वर मंदिर की स्थापत्य शैली अन्य शिव मंदिरों की तरह ही है। इसका निर्माण कखैया ईटों व व चूने से किया गया है। बाद का सारा निर्माण बड़ी ईटों व सीमेंट का है। मंदिर की दीवारों पर देवी-देवताओं के चित्र बने हुए हैं।

पूजा, दिनचर्या, सामग्री व आराधना

मंदिर में रोजाना पूजा अर्चना होती है। रोजाना सैकड़ों लोग पूजा अर्चना करते हैं। श्रावण माह में यह संख्या हजारों में पहुंच जाती है। मंदिर में मेले का सा माहौल रहता है। सोमवार को विशेष श्रृंगार किया जाता है। बेल पत्र, आक, धतूरे शिवलिंग पर चढ़ाए जाते हैं। पलवल से बाहर के श्रद्धालु भी पूजा अर्चना के लिए आते हैं।

श्रावण माह में प्रतिदिन शाम को दूध-दही, गंगाजल, शहद आदि से शिवलिंग का अभिषेक किया जाता है। हर सोमवार को फूल बंगला सजाया जाता है। ठंडाई व खीर का प्रसाद बांटा जाता है। अब पुराना मंदिर तोड़कर नया मंदिर बनाया गया है। उनके अनुसार शिवलिंग पृथ्वी से निकलकर अपने आप स्थापित हुआ।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

जॉर्डन के अस्पताल में बिजली गुल होने से कोविड-19 के दो मरीजों की मौत

अम्मान। जॉर्डन की राजधानी अम्मान में रविवार को एक अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में शॉर्ट सर्किट की वजह से बिजली गुल होने के बाद कोविड-19 के दो मरीजों की मौत हो गई। देश के स्वास्थ्य मंत्री ने यह जानकारी दी। निजी गार्डन अस्पताल में कोविड-19 मरीजों का उपचार किया जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्री फिरास अल-हवारी ने सरकारी मीडिया को रविवार को बताया कि इस घटना के बाद दो मरीजों की मौत हो गई। इस बात की जांच की जा रही है कि क्या ये मौतें बिजली गुल होने की वजह से हुई है। इस घटना के बाद लोगों की भीड़ अस्पताल के बाहर एकत्र हो गई। सुरक्षा बलों ने अस्पताल को घेर लिया और मरीजों के परिजनों के प्रवेश पर रोक लगा दी। जॉर्डन के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कोरोना वायरस संक्रमण के 7,63,000 मामलों और 9,948 मरीजों की मौत की पुष्टि की है।

फिलीपीन में भारी बारिश से बाढ़ की स्थिति, हजारों लोगों को निकाला गया

मनीला। फिलीपीन में मानसून के कारण कई दिनों से जारी मूसलादार बारिश के कारण शनिवार को कई स्थानों पर बाढ़ आ गई और कम से कम एक ग्रामीण की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि बचाव अभियान के दौरान उन्हें विस्थापित नागरिकों के बीच सामाजिक दूरी का पालन सुनिश्चित करने और बचाव शिविरों को कोविड-19 का केंद्र बनाने से रोकने के लिए संघर्ष करना पड़ा। एक बड़ी नदी में जलस्तर बढ़ जाने पर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के मारिकिना में करीब 15,000 लोगों को रात में बाहर निकालना पड़ा। मारिकिना के मेयर मार्सिलिनो टियोडोरो ने देश में पाए गए वायरस के अत्यधिक संक्रामक स्वरूप डेल्टा का जिक्र करते हुए कहा, ''यदि बाढ़ का कोई स्थायी समाधान नहीं निकला तो डेल्टा स्वरूप के खतरे के मद्देनजर हालात बहुत मुश्किल हो जाएंगे।'' इस बीच, पुलिस ने बताया कि बागुइयु में शुक्रवार रात एक पेड़ के एक टैक्सी पर गिर जाने से उसमें सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य लोग घायल हो गए। उत्तरी फिलीपीन में कई दिन से जारी बारिश के कारण निचले गांवों में पानी भर गया और भूस्खलन की घटनाएं हुईं।

पेगासस जासूसी: फ्रांस के राष्ट्रपति ने इजराइल के प्रधानमंत्री से की बात

फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रों ने मोरक्को के सुरक्षा बलों द्वारा पेगासस स्पाइवेयर के जरिए उनके मोबाइल फोन की जासूसी करने के खबरों के बीच इजराइल के प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट से बात की। एक वैश्विक मीडिया संघ ने पिछले सप्ताह खबर दी थी कि पेगासस मालवेयर के इस्तेमाल से 50,000 से अधिक मोबाइल फोन नंबरों की जासूसी की जा रही है। इस मालवेयर को इजराइल की साइबर सुरक्षा कंपनी एनएसओ ग्रुप ने विकसित किया है। मीडिया संघ के अनुसार मैक्रों और उनकी सरकार के 15 सदस्य जासूसी के संभावित लक्ष्यों में से एक हैं। इजराइल के चैनल 12 ने शनिवार शाम बताया कि मैक्रों ने बेनेट को बृहस्पतिवार को फोन किया और उनसे ''मामले की गंभीरता से जांच करने'' की अपील की। इजराइल के प्रधानमंत्री ने कहा कि यह आरोप उस समय से संबंधित हैं, जब उन्होंने कार्यकाल नहीं संभाला था, लेकिन उन्होंने भरोसा दिलाया कि इस मामले में आवश्यक निष्कर्ष तक पहुंचा जाएगा। मैक्रों ने फ्रांस में पेगासस के दुरुपयोग की खबरें सामने आने के बाद बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय सुरक्षा की तत्काल बैठक की थी। मोरक्को सरकार ने इन खबरों का खंडन किया है कि देश के सुरक्षा बलों ने फ्रांस के राष्ट्रपति और अन्य सार्वजनिक हस्तियों के सेलफोन पर नजर रखने के लिए पेगासस स्पाइवेयर का संभवतः इस्तेमाल किया होगा।

इराक ने बगदाद में बमबारी के लिए जिम्मेदार आतंकवादियों को गिरफ्तार किया: पीएम कदीमी

बगदाद। इराक के प्रधानमंत्री मुस्तफा अल-कदीमी ने राजधानी बगदाद में हाल ही में हुए बम विस्फोट से जुड़े एक आतंकवादी प्रकोष्ठ को नष्ट करने की घोषणा की है, जिसमें दर्जनों लोग मारे गए और घायल हो गए थे। अल-कादीमी ने शनिवार को ट्वीट कर बताया, हमने कायरतापूर्ण आतंकवादी प्रकोष्ठ के सभी सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया है, जिन्होंने हमले की योजना बनाई और उसे अंजाम दिया। पिछले हफ्ते बगदाद के पूर्वी जिले सदर शहर में भीड़भाड़ वाले बाजार में हुए बम विस्फोट में 30 लोग मारे गए थे और 50 से अधिक घायल हो गए थे। इस्लामिक स्टेट (आईएस) आतंकी समूह ने बाद में हमले की जिम्मेदारी ली थी। बगदाद में घातक बम विस्फोट दुर्लभ हैं, क्योंकि इराक में सुरक्षा स्थिति में सुधार हुआ है। सुरक्षा बलों ने 2017 के अंत में देश भर में आईएस आतंकवादियों को पूरी तरह से हरा दिया था। हालांकि, आईएस के अवशेष तब से रेगिस्तान और ऊबड़-खाबड़ इलाकों में पीछे हट गए हैं, सुरक्षा बलों और नागरिकों के खिलाफ लगातार छापामार हमले कर रहे हैं।

संभावित वैक्स उत्पादन स्थल पर चिली के मंत्रियों ने सिनोवैक के अधिकारियों से मुलाकात की

सैंटियागो। संभावित टीकाकरण उत्पादन स्थल बनाने की दवा फर्म की योजना पर चिली के मंत्रियों ने चीनी कंपनी सिनोवैक के अधिकारियों से मुलाकात की है। चिली के स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि समूह ने शुक्रवार को एंटोफगास्टा शहर से 28 किमी उत्तर में एक भूखंड का दौरा किया, जो कोविड -19 टीकों के लिए भविष्य के उत्पादन संयंत्र का स्थल हो सकता है। समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, यह अनुमान है कि संयंत्र का निर्माण 2022 के अंत तक पूरा हो जाएगा, जिससे 2023 से संचालन शुरू हो जाएगा। मंत्रालय ने कहा कि इसके लिए लगभग 6 करोड़ डॉलर के निवेश की आवश्यकता होगी।

एंटनी ब्लिंकन की भारत यात्रा: अफगानिस्तान के हालात और पाकिस्तान के आतंकी वित्त पोषण पर होगी चर्चा

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन की 27 जुलाई से भारत की दो दिवसीय यात्रा शुरू हो रही है और इस दौरान अफगानिस्तान से अमेरिकी सैनिकों की वापसी तथा आतंक के वित्त पोषण और सुरक्षित पनाहगाहों के लिए पाकिस्तान पर लगातार दबाव बनाने जैसे मुद्दों पर चर्चा होगी। आधिकारिक सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि भारत और अमेरिका के नेताओं के बीच क्वाड के मसौदे के तहत सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा होगी। चार देशों के समूह क्वाड के विदेश मंत्री स्तर की बैठक इस वर्ष के अंत में होने की संभावना है।

दोनों पक्ष क्वाड टीकाकरण अभियान को भी आगे बढ़ाएंगे ताकि हिंद-प्रशांत क्षेत्र के देशों को 2022 की शुरुआत में ही टीकों की आपूर्ति की जा सके। सूत्रों ने बताया कि अमेरिका के विदेश मंत्री की यह यात्रा व्यापार, निवेश, स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, डिजिटल क्षेत्र, नवाचार और सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में तथा अन्य क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करेगी। अमेरिका के विदेश मंत्रालय की कमान संभालने के बाद ब्लिंकन की यह पहली भारत यात्रा है, साथ ही जनवरी में जो बाइडन के सत्ता में आने के बाद प्रशासन के किसी उच्च अधिकारी की यह दूसरी भारत यात्रा है।

सूत्रों ने बताया कि रक्षा के क्षेत्र में दोनों पक्ष सहयोग को प्रगाढ़ करने के तरीके तलाशेंगे। इसके अलावा भारत स्वास्थ्य प्रोटोकॉल का पालन करते हुए अंतरराष्ट्रीय यात्रा को चरणबद्ध तरीके से बहाल करने की मांग करेगा, जिसमें खासतौर पर छात्रों, पेशेवरों और कारोबारियों के लिए यात्रा नियमों में ढील तथा अन्य मानवीय मामलों के अलावा परिवारों को मिलाना सुनिश्चित करने पर जोर रहेगा। सूत्रों ने बताया, ''महत्वपूर्ण दवाओं और स्वास्थ्य संबंधी साजो सामान की लचीली आपूर्ति श्रृंखलाओं की आवश्यकता पर भी बातचीत होने की संभावना है।'' दोनों पक्ष हिंद-प्रशांत से संबंधित कोविड सहयोग और सुरक्षा परिदृश्य पर भी विचार-विमर्श करेंगे।

सऊदी के नेतृत्व वाले हवाई हमले में 21 हौथी विद्रोहियों की मौत

सना (एजेंसी)।

यमन के मध्य प्रांत अल बेदा में मिलिशिया समूह की स्थिति पर सऊदी के नेतृत्व वाले गठबंधन द्वारा शुरू किए गए हवाई हमलों में कुल 21 हौथी विद्रोही मारे गए। सेना में शामिल चिकित्सकों ने इसकी जानकारी दी है।

मेडिक्स ने सिन्हुआ समाचार एजेंसी को बताया, शनिवार को हुए इस हवाई हमले में नाटी जिले के कई स्थानों पर ईरान समर्थित हौथी मिलिशिया पर हमला बोला गया, जिसमें 21 की मौत हो गई और 13 अन्य घायल हो गए, जिन्हें इलाके में स्थित अस्पताल में ले जाया गया। हौथी द्वारा संचालित अल-मसीरा टीवी ने शुक्रवार की देर रात नाटी जिले में पांच हवाई हमलों की सूचना दी। इसके अलावा, अधिक विस्तृत जानकारी का खुलासा नहीं किया गया। यह जिला हौथी समूहों का गढ़ है। राजधानी सना से लगभग 268 किमी दक्षिण पूर्व में बसे इस प्रांत का अधिकांश भाग साल 2014 से समूह के नियंत्रण में है। सऊदी के नेतृत्व वाले गठबंधन द्वारा समर्थित यमनी सेना इस महीने प्रांत के उत्तर और दक्षिण में कई नए रणनीतिक क्षेत्रों में आगे बढ़ी है। यमन में साल 2014 के अंत से गृहयुद्ध की स्थिति बनी हुई है। हौथी मिलिशिया के द्वारा कई उत्तरी प्रांतों पर नियंत्रण कर लेने और राष्ट्रपति अब्द-रब्बू मंसूर हादी की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार को सना से बाहर कर देने के बाद यह स्थिति उत्पन्न हुई।

सऊदी के नेतृत्व वाले अरब गठबंधन ने मार्च, 2015 में हादी की सरकार का समर्थन करने के लिए यमनी संघर्ष में हस्तक्षेप किया।

फिलिस्तीनी राजनयिक ने इजरायल के उल्लंघन के प्रति निष्क्रियता की निंदा की

रमल्लाह (एजेंसी)।

एक वरिष्ठ फिलिस्तीनी राजनयिक ने फिलिस्तीनी क्षेत्रों में इजरायल के उल्लंघन को अंतर्राष्ट्रीय समुदाय की निष्क्रियता के रूप में करार दिया है। समाचार एजेंसी रिपोर्ट के अनुसार, संयुक्त राष्ट्र में फिलिस्तीन के दूत रियाद मंसूर ने शनिवार को वॉयस ऑफ फिलिस्तीन रेडियो को बताया कि अंतरराष्ट्रीय निष्क्रियता इजरायल को मनमानी करने का लाइसेंस देती है। उन्होंने कहा कि इजरायल फिलिस्तीनियों के खिलाफ अपने अवैध कार्यों को जारी रखे है, मुख्य रूप से पूर्वी यरुशलम और वेस्ट बैंक में बस्तियों का निर्माण और गाजा पट्टी पर नाकेबंदी। मंसूर ने घोषणा की कि 28 जुलाई को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद इजरायल-फिलिस्तीनी संघर्ष पर एक खुली बातचीत के लिए एक सत्र आयोजित करने वाली है। इस बीच, फिलिस्तीन लिबरेशन ऑर्गनाइजेशन की कार्यकारी समिति के सदस्य सालेह रफत ने संवाददाताओं से कहा कि फिलिस्तीनियों के खिलाफ इजरायल के हमले जारी हैं और कभी नहीं रुकेंगे। राफत ने कहा कि इस्त्राइली सैनिकों ने शुक्रवार की रात एक 17 वर्षीय लड़के की हत्या कर दी। वेस्ट बैंक, पूर्वी यरुशलम और गाजा पट्टी में हमारे लोगों के खिलाफ इजरायली उपाय हर दिन किए जाते हैं। उन्होंने कहा कि फिलिस्तीनी अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय, अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों और मित्र देशों के साथ संपर्क में हैं ताकि इजराइल पर प्रतिबंध लगाए जाए और उल्लंघन को रोकने के लिए मजबूर किया जा सके ।

प्रधानमंत्री मुस्तफा अल-कादिमी ने कहा, इराक को अब अमेरिकी सेना की जरूरत नहीं है

बगदाद। (एजेंसी)।

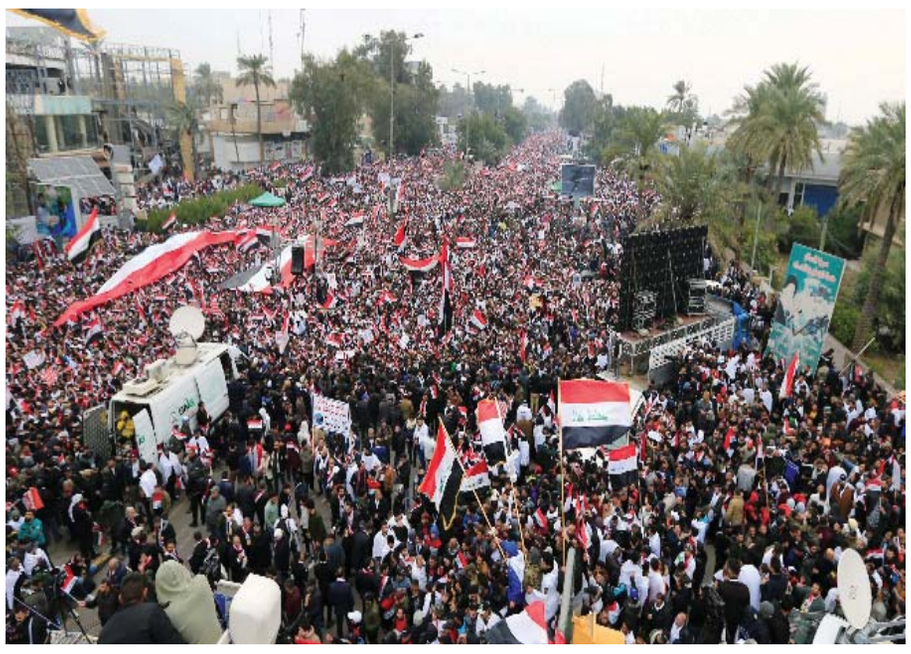

इराक के प्रधानमंत्री मुस्तफा अल-कादिमी ने कहा कि उनके देश को आतंकवादी समूह इस्लामिक स्टेट से लड़ने के लिए अब अमेरिकी सेना की आवश्यकता नहीं है लेकिन उनकी पुनः तैनाती के लिए औपचारिक समय सीमा इस हफ्ते अमेरिकी अधिकारियों के साथ बातचीत के नतीजे पर निर्भर करेगी। अल-कादिमी ने कहा कि इराक को फिर भी अमेरिका की प्रशिक्षण और सैन्य खुफिया सेवाओं की आवश्यकता पड़ेगी। उन्होंने वाशिंगटन की यात्रा के मद्देनजर एक साक्षात्कार में यह टिप्पणियां की।

उनका रणनीतिक वार्ता के चौथे चरण के लिए सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन से मुलाकात करने का कार्यक्रम है। अल-कादिमी ने कहा, ''इराक की सरजमीं पर किसी भी विदेशी सेना की आवश्यकता नहीं है।'' हालांकि उन्होंने अमेरिकी सेना की वापसी के लिए कोई समय सीमा नहीं बतायी। उन्होंने कहा कि इराकी सुरक्षाबल और सेना अमेरिका के नेतृत्व वाली गठबंधन सेना के बिना देश की रक्षा करने में समक्ष हैं। हालांकि, उन्होंने कहा कि सेना की वापसी इराकी बलों की आवश्यकता पर निर्भर करेगी। उन्होंने कहा, ''इस्लामिक स्टेट के खिलाफ युद्ध और हमारी सेना की तैयारी को विशेष समयसारिणी की आवश्यकता है और यह वाशिंगटन में होने वाली बातचीत पर निर्भर करेगा।'' सोमवार को व्हाइट हाउस में दोनों नेताओं के बीच मुलाकात में इस समय सीमा को स्पष्ट किए जाने की संभावना है। ऐसी उम्मीद है कि इस साल के अंत तक अमेरिकी सेना की वापसी हो सकती है।

इराक में अमेरिका के 2,500 सैनिक मौजूद हैं। पिछले साल पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 3,000 सैनिकों को वापस बुलाने का आदेश दिया था। गौरतलब है कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने 2014 में इराक में सेना भेजने का फैसला किया था। इस्लामिक स्टेट के पश्चिमी और उत्तरी इराक के बड़े हिस्से पर कब्जा जमाने के बाद यह फैसला लिया गया था।

पाक के कब्जे वाले कश्मीर में विधानसभा चुनाव जारी, भारत ने किया था विरोध

नई दिल्ली (एजेंसी)।

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में विधानसभा के लिए रविवार को मतदान हो रहा है जिसमें 45 सदस्यों को निर्वाचित करने के लिए 32 लाख मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकते हैं। भारत ने इससे पहले गिलगित-बाल्तिस्तान में चुनाव कराने के पाकिस्तान के फैसले का विरोध किया था और कहा था कि सैन्य कब्जे वाले क्षेत्र की स्थिति को बदलने के कार्य का कोई कानूनी अधिकार नहीं है। पीओके विधानसभा में कुल 53 सदस्य हैं लेकिन इनमें से केवल 45 को सीधे निर्वाचित किया जा सकता है। इनमें पांच सीट महिलाओं के लिए आरक्षित हैं और तीन विज्ञान विशेषज्ञों के लिए। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई), पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के बीच कड़ा त्रिकोणीय मुकाबला होने की उम्मीद है। पीटीआई ने सभी 45 निर्वाचित क्षेत्रों के लिए अपने उम्मीदवार उतारे हैं जबकि पीएमएल-एन और पीपीपी ने 44 सीटों के लिए अपने उम्मीदवार उतारे हैं। कट्टरपंथी इस्लामी पार्टी तहरीक-ए-लबैक पाकिस्तान (टीएलपी) जिसे पाकिस्तान सरकार ने उसकी हिंसक गतिविधियों के लिए अप्रैल में प्रतिबंधित कर दिया था, वह 40 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। पाकिस्तान निर्वाचन आयोग ने प्रतिबंध के बाद टीएलपी का पंजीकरण रद्द नहीं किया था जिससे वह भी चुनाव में हिस्सा ले पा रही है। 33 निर्वाचन क्षेत्र पीओके में स्थित हैं जबकि 12 सीटें पाकिस्तान के विभिन्न शहरों में बसे शरणार्थियों के लिए हैं। विभिन्न राजनीतिक दलों के टिकटधारियों के अलावा, कुल 261 निर्दलीय उम्मीदवार भी पीओके की 33 सीटों के लिए मैदान में हैं जबकि 56 निर्दलीय 12 शरणार्थी सीटों पर उम्मीदवारी कर रहे हैं। पारंपरिक तौर पर, देश की सत्तारूढ़ पार्टी ही पीओके में चुनाव जीतती है।

तालिबानी घुसपैठियों का पता लगाने के लिए अफगानिस्तान की नई रणनीति, 31 प्रांतों में लगाया नाइट कर्फ्यू

काबुल (एजेंसी)।

तालिबान से चल रही लड़ाई के बीच अफगानिस्तान सरकार ने वहां पर नाइट कर्फ्यू का ऐलान किया है। यह नाइट कर्फ्यू काबुल, पंजशीर और नांगरहार को छोड़ अन्य 31 प्रांतों में लगाया गया है। इस कर्फ्यू के लिए समय भी तय किया है, जिसके मुताबिक रात 10 बजे से सुबह 4 बजे तक कर्फ्यू जारी रहेगा। टोलो समाचार एजेंसी ने आंतरिक मंत्रालय के हवाले से शनिवार देर रात इस बात की जानकारी दी। यह नया प्रावधान उस वक्त आया है जब अफगान सरकार देश के 21 प्रांतों में तालिबान के खिलाफ लड़ाई लड़ रही है।

इसलिए किया गया है फैसला

यह फैसला लेने के पीछे भी वजह भी बेहद अहम है। अफगानिस्तान रेडियो टेलीविजन के मुताबिक यह फैसला इसलिए लिया गया है ताकि विभिन्न प्रांतों की

राजधानी में तालिबानी घुसपैठियों का पता लगाया जा सके। अफगानी सुरक्षा एजेंसियों द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक सुरक्षा बलों ने पिछले 24 घंटे में 262 तालिबानी लड़ाकों को मार गिराया है। वहीं इस दौरान 176 तालिबानी घायल भी हुए हैं। हालांकि तालिबान ने इन आंकड़ों से इंकार किया है। मई में अमेरिकी नेतृत्व वाली विदेशी फौजों द्वारा अफगानिस्तान छोड़ना शुरू करने के बाद से तालिबान ने यहां काफी कहर ढाया है। रिपोर्टों में दावा किया गया है कि तालिबान ने देश के 170 जिलों पर कब्जा जमा लिया है।

काफी समय से चल रही है लड़ाई

गौरतलब है कि अमेरिका द्वारा अफगानिस्तान से अपने सैनिकों को वापस बुलाने के निर्णय के बाद यहां पर तालिबान तेजी से उभरा है। पूरे देश के विभिन्न इलाकों में जमकर खून-खराबा हुआ है। सिपाहियों के साथ-साथ आम लोगों को भी अपने जान-माल से हाथ धोना पड़ा है। इस बीच पिछले सप्ताह कांधार के बाहरी इलाकों में तालिबान की अफगानी फौज के साथ जबर्दस्त लड़ाई हुई थी। इसके जवाब में अमेरिका ने 22 जुलाई को आतंकियों के कब्जे वाले क्षेत्रों पर हवाई हमले किए थे। हालांकि तालिबान ने अमेरिकी हमलों का विरोध करते हुए इसे दोहा समझौते का उल्लंघन बताया था।

चीन की वजह से खतरे में पड़ी हज़ारों भारतीय नाविकों की नौकरी, कर रहा यह हरकत

वाशिंगटन। (एजेंसी)।

चीन अक्सर भारत के लिए कुछ न कुछ मुसीबत खड़ी करता रहता है। उसकी ताजा हरकत से एक बार फिर से कुछ ऐसा ही इशारा मिल रहा है। बीजिंग ने उन जहाजों के चीनी बंदरगाहों पर पर आने से रोक लगा दी है, जिन भारतीय काम कर रहे हैं। समुद्री श्रमिकों के एक संगठन ने इस अनाधिकारिक प्रतिबंध का जिक्र किया है। ऑल इंडिया सीफेयरर एंड जनरल वर्कर्स नाम के इस संगठन इसको लेकर बंदरगाह, जहाजरानी और समुद्री जलमार्ग मंत्री सर्वानंद सोनोवाल को पत्र लिखा है।

कई हजार भारतीय नाविकों की नौकरी पर खतरा

संगठन ने केंद्रीय मंत्री को लिखे अपने पत्र में कहा है कि चीन द्वारा इस तरह का प्रतिबंध लगाने से कल से कम 21 हजार भारतीय प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से नौकरी खोने के कगार पर हैं। संगठन के अध्यक्ष अभिजीत सांगले ने अंग्रेजी अखबार टाइम्स ऑफ इंडिया के साथ बाचतीत में कहाकि यह चीन की एक चाल है। वह भारतीय समद्री श्रमिकों को काम करने से रोक रहा है, ताकि अपने श्रमिकों को बढ़ावा दे सके। उन्होंने कहाकि हमने इस बारे में केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल को पत्र लिखा है। साथ ही शिपिंग के डीजी और विदेश मंत्रालय को भी मामले की जानकारी दी गई है। हमने इस गंभीर मामले को देखने के लिए कहा है। अभिजीत सांगले ने कहाकि उन्होंने विदेश मंत्री एस जयशंकर को अलग से पत्र लिखकर तेजी से एक्शन लेने की दरख्वास्त की है। उन्होंने कहाकि इस साल की शुरुआत में भी चीन ने उन विदेशी जहाजों को रोक दिया था, जिन पर भारतीय काम कर रहे थे। इसके चलते करीब 40 भारतीय क्रू मेंबर्स कुछ दिनों के लिए चीन में फंस गए थे।

चीन लाद रहा है अपनी शर्तें

हालांकि समाचार पत्र ने जब इस बारे में डीजी शिपिंग अमिताभ ठाकुर से बात की तो उन्होंने कहाकि हमें इस बारे में कोई पत्र नहीं मिला है। उन्होंने यह भी कहाकि उन्हें आधिकारिक रूप से चीन द्वारा ऐसे किसी प्रतिबंध की भी सूचना नहीं है। उन्होंने कहाकि हमारे आंकड़ों में ऐसी कोई बात सामने नहीं आई है, जिससे कहा जाए कि 21 हजार भारतीय नौकरी खोने के कगार पर हैं। उन्होंने कहाकि यह कुछ लोगों की निजी राय हो सकती है। हालांकि नेशनल शिपिंग बोर्ड के सदस्य कैप्टन संजय पराशन ने कहाकि चीन अब अपनी शर्तें लाद रहा है। उनके मुताबिक चीन ने विदेशी जहाज कंपनियों से कहा है कि वह तभी यहां अपने ला और ले जा सकते हैं, जब वह उनकी शर्तों को मानेंगे। इन शर्तों में कहा गया है कि अगर वो चीनी समुद्री सीमा में आने चाहते हैं तो उन्हें अपने जहाज पर भारतीयों को काम पर रखना बंद करना होगा।

भारतीय नाविकों को नहीं मिल रही तरजीह

ब्रिटेन एक की एक जहाज कंपनी की भारतीय शाखा के प्रमुख राकेश कोएल्हो ने बताया कि भारतीय क्रू के खिलाफ चीन का यह प्रतिबंध मार्च में शुरू हुआ। उन्होंने कहाकि इसके पीछे भारत में कोरोना के

वैरिएंट को वजह बताया जा रहा है। लेकिन अब तो सभी देशों में डेल्टा वैरिएंट मिल रहा है, इसलिए इस तर्क में कोई दम नहीं है। उन्होंने कहाकि भारतीय नाविक दुनिया में सबसे बेहतरीन माने जाते हैं। लेकिन चीन के इस कदम के बाद अमेरिका, इंग्लैंड और पश्चिमी यूरोपीय देशों ने भारतीय क्रू मेंबर्स को काम पर रखना बंद कर दिया है। इनकी जगह अब वे फिलीपीन्स, विएतनाम और चीनी नागरिकों को नियुक्त कर रही हैं। गौरतलब है कि शिपिंग इंडस्ट्री में भारतीय नाविकों की तूती बोलती है। पिछले साल तक भारत की तरफ से सालाना 2.4 लाख नाविक भेजे जाते थे। इनमें से 2.1 लाख नाविक विदेशी जहाजों पर तैनात हुए थे जबकि 30 हजार भारतीय जहाजों पर।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

4 घंटे से लाइन में खड़े मासूमों पर पुलिस ने की कार्रवाई

क्रांति समय दैनिक

सुरत, मनपा और पुलिस दोनों ही बने चर्चा का विषय, 500 टीकों के उधना ज़ोन के हरिनगर-३ सामुदायिक हॉल में लगभग 1,500 लोग उमड़ पड़े। वैक्सीन लेने आए लोगों को पुलिस ने ऐसे खदेड़ दिया जैसे वे आदतन अपराधी हों। इसी क्रम में एक युवक को पुलिस ने लोहे की ग्रिल से टक्कर मार दी.

वैक्सीन सेंटर पर लगी लाइन और लोगों की भीड़ लेकिन ऐसा कोई मामला नहीं था जहां पुलिस को बल प्रयोग करना पड़े! फिर भी पुलिस आम जनता को उसी तरह से देख रही है जैसे वह सभी को अपराधी के रूप में देखती है।

घटना के बाद उधना पुलिस ने बताया कि वैक्सीन सेंटर पर 500 टीके मिले और 1500 ज्यादा लोगों की भीड़ होने के कारण लापरवाही को न देख कर आप जनता के लोग इसके खिलाफ आवाज उठा तो. जिसमें से 500 का टोकन देने वाले स्टाफ से हाथापाई हो गई। पुलिस लोगों को शांति से निकलने के लिए मना सकती थी।

इसके बजाय पुलिस क्या साबित करना चाहती है यह जांच का विषय है। अगर इस तरह के धक्का में कोई गंभीर रूप से घायल हो जाता है तो कौन जिम्मेदार है?

क्या वेक्सीन लगाना जरूरी हैं तो उपलब्ध क्यों नही कराया जा रहा हैं शासन और प्रशासन के सामने लोगों का यह सवाल हैं?

आईआरएसडीसी ने सूरत और उधना रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास हेतु आमंत्रित किया आरएफ़क्यू

सूरत और उधना रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के लिए अनुमानित लागत लगभग 1285 करोड़

क्रांति समय दैनिक

देश भर में रेलवे स्टेशनों के पुनर्निर्माण/विकास के लिए कार्यरत नोडल एजेंसी भारतीय रेलवे स्टेशन विकास निगम लिमिटेड (आईआरएसडीसी) ने गुजरात के सूरत और उधना रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए रिक्वेस्ट फॉर क्वालिफिकेशन (आरएफ़क्यू) आमंत्रित किया है। पुनर्विकास का उद्देश्य इन रेलवे स्टेशनों को 'रैलोपोलिस' में बदलना है। 'रैलोपोलिस'- मिश्रित उपयोग के विकास के साथ एक मिनी-स्मार्ट सिटी होगा जहां कोई भी रह सकता है, काम कर सकता है, ट्रांसपोर्ट की विभिन्न सुविधाओं का उपयोग कर सकता है, सभी सुविधाओं के साथ यह बड़े निवेश और व्यावसायिक अवसरों को आकर्षित कर सकता है। ये पुनर्विकसित रेलवे स्टेशन यात्रियों को अत्याधुनिक सुविधाएं प्रदान करेंगे और उनके यात्रा अनुभव को बढ़ायेंगे। विकास के लिए कुल क्षेत्रफल सूरत रेलवे स्टेशन के लिए 3,40, 131 वर्ग मीटर और उधना रेलवे स्टेशन के लिए 7,38,088 वर्ग मीटर है। सूरत और उधना रेलवे स्टेशन परिवेश विकास के लिए निर्मित क्षेत्र (बीयूए) क्रमश: लगभग 4, 65,000 वर्ग मीटर और 37, 175 वर्ग मीटर है। सूरत और उधना

रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास के लिए चार साल के तय समय सीमा के अंतर्गत अनुमानित लागत लगभग 1285 करोड़ रूपये है। प्री-बिड मीटिंग 6 अगस्त 2021 को आयोजित की जाएगी वहीं, बोली जमा करने की अंतिम तिथि 31 अगस्त 2021 है। अधिक जानकारी के लिए etenders.gov.in देखें। आईआरएसडीसी के सीईओ और एमडी एस. के. लोहिया ने कहा, ''सूरत एक गतिशील वाणिज्यिक और औद्योगिक केंद्र तथा दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते हुए शहरों में से एक है। सूरत और उधना रेलवे स्टेशन पुनर्विकास परियोजना का उद्देश्य स्थानीय अर्थव्यवस्था को और मजबूत करना तथा शहर की पर्यटन क्षमता को बढ़ावा देना है। स्टेशनों को अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे जैसा बनाने और यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं प्रदान करने के लिए वैश्विक मानकों के अनुरूप पुनर्विकास किया जायेगा। सूरत रेलवे स्टेशन को मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट हब (एमएमटीएच) के रूप में विकसित करने की परिकल्पना की गयी है, इस प्रकार यात्रियों को परेशानी मुक्त और आरामदायक यात्रा प्रदान किया जा सके।'' रेल मंत्रालय और गुजरात सरकार के सहमति के साथ आईआरएसडीसी , जीएसआरटीसी और एसएमसी के बीच एक संयुक्त उद्यम के रूप में, कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत निगमित एक विशेष प्रयोजन के तहत, सूरत इंटीग्रेटेड ट्रांसपोर्टेशन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (एसआईटीसीओ) की ओर से आईआरएसडीसी द्वारा स्टेशनों का पुनर्विकास किया जाएगा। ट्रांजिट ओरिएंटेड डेवलपमेंट (टीओडी) और स्मार्ट सिटी सिद्धांतों का उपयोग करके स्टेशन परिवेश को बदलने के लिए इन स्टेशनों को एकीकृत रेलवे स्टेशनों और उप-केंद्रीय बिजिनस डिस्ट्रिक्ट के रूप में पुनर्विकास करने की कल्पना की गई है। पुनर्विकसित स्टेशन, चारो तरफ के परिवेश के साथ सहज पहुँच और कनेक्टिविटी प्रदान करेगा तथा विकास का नया मानक बनाएगा जो स्टेशन परिवेश और शहर के लिए अद्वितीय और यादगार पहचान देने के लिए अधिकतम अनुमेय एॅफ़एसआई का उपयोग करेगा। पुनर्विकसित स्टेशन अनेक लाभ प्रदान करेंगे जैसे कि आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देना, रोजगार के अवसर पैदा करना, पर्यटन क्षमता में वृद्धि, भीड़भाड़ को कम करना, रेलवे स्टेशन के पूर्व और पश्चिम की ओर संतुलित उपयोग और मल्टी-मॉडल हब के साथ एक विश्व स्तरीय पारगमन प्रणाली की शुरुआत करना , जो कि किफायती, लाभप्रद और सस्टेनेबल है।

सार-समाचार

सूरत तीन साल के बच्चे को हुआ म्युकरमाइकोसिस

सूरत,गुजरात में तीन साल के बच्चे को म्युकरमाइकोसिस होने का पहला मामला सामने आया है। गुरुवार को तीन साल के बच्चे को सूरत के सिविल अस्पताल के ट्रोमा सेंटर में लाया गया था। कोरोना संदिग्ध लक्षण दिखने पर बच्चे को सिटी स्कैन करवाया गया था। जिसकी रिपोर्ट में बच्चा कोरोना पॉजिटिव होने का पता चला। जांच में बच्चे को म्युकरमाइकोसिस होना का खुलासा होने से स्वास्थ्य विभाग में हड़कम्प मच गया। म्युकरमाइकोसिस पीड़ित बच्चे को सूरत के सिविल होस्पिटल दाखिल किया गया है। बच्चे की हालत नाजुक बताई गई है। राज्य में तीन साल बच्चे को म्युकरमाइकोसिस होने का यह पहला मामला है।

पत्नी से परेशान पति का पुलिस आयुक्तकचहरी में आत्महत्या का प्रयास

राजकोट,शहर के पुलिस आयुक्त कचहरी में एक शख्स के फिनाइल पीकर आत्महत्या के प्रयास से अफरातफरी मच गई। पत्नी से परेशान होकर आत्महत्या का प्रयास करने वाले शख्स को फौरन अस्पताल में भर्ती कराया गया। आमतौर पर पति के अत्याचार से तंग आकर पत्नी के आत्महत्या की घटनाएं आए दिन सामने आती हैं। एकाद घटनाएं ऐसी भी आती हैं, जिसमें पत्नी के अत्याचार से परेशान पति आत्महत्या का रास्ता अपनाता है। राजकोट में पत्नी के अत्याचार से तंग आकर पति ने आत्महत्या का प्रयास किया और वह पुलिस आयुक्त की कचहरी में। केतन पटेल नामक इस शख्स की पत्नी जल्पा पटेल साथी सेवा ट्रस्ट की ट्रस्टी है। केतन पटेल का आरोप है कि जल्पा पटेल उसे प्रताड़ित करती है। इतना ही नहीं जल्पा पटेल ने उसे जान से मार देने की धमकी दी। अस्पताल में उपचाराधीन केतन पटेल की जेब से स्युसाइड लेटर बरामद हुआ है, जिसमें जल्पा पटेल और उसके दोस्तों द्वारा मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का आरोप लगाया गया है।

पत्नी की हत्या के आरोप में एसओजी पीआई अजय देसाई समेत दो गिरफ्तार

वडोदरा,अहमदाबाद क्राइम ब्रांच और एटीएस ने वडोदरा एसओजी के पीआई अजय पटेल की लापता पत्नी स्वीटी देसाई के मामले में गुत्थी सुलझा ली। पिछले डेढ़ महीने से स्वीटी पटेल को लेकर पुलिस को गुमराह कर रहे एसओजी पीआई अजय देसाई पर आखिरकार कानून की शिकंजा कस गया है। पुलिस ने पीआई अजय देसाई और कांग्रेस नेता किरीट जाडेजा को स्वीटी पटेल की हत्या के मामले में गिरफ्तार कर लिय है। अहमदाबाद क्राइम ब्रांच ने बताया कि पीआई अजय देसाई की दो पत्नियां एक ही समय में वडोदरा में थी। ऐसे में अजय देसाई दोनों को समय नहीं पाता था और इस वजह से उसने स्वीटी की हत्या कर दी। स्वीटी की हत्या से पहले अजय देसाई ने अपने दोस्त और कांग्रेसनेता किरीटसिंह जाडेजा से कहा था कि उसकी बहन शादी के बगैर गर्भवती हो गई है, इसलिए उसकी हत्या करनी होगी।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

कश्मीर में मुठभेड़ में मारा गया आतंकवादी, वाघा सीमा से घुसपैठ किया था : पुलिस

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में मारे गए तीन आतंकवादियों में से एक 2018 में वाघा सीमा के रास्ते पाकिस्तान में घुस गया था। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। शनिवार को आतंकी मारा गया। पुलिस महानिरीक्षक (कश्मीर) विजय कुमार ने संवाददाताओं से कहा, बांदीपोरा के निवासी, सारिक बाबा ने 2018 में वाघा सीमा के माध्यम से घुसपैठ की थी और हाल ही में एलओसी के माध्यम से घुसपैठ की थी। कुमार ने कहा कि सारिक लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) संगठन से जुड़ा था। बांदीपोरा जिले के सुमलार-अरागाम इलाके में शनिवार को हुई मुठभेड़ में मारे गए अन्य दो आतंकवादी विदेशी थे। वन क्षेत्र में पुलिस, राष्ट्रीय राइफल्स, मार्कोस (पैरा स्पेशल फोर्स) और सीआरपीएफ की संयुक्त पार्टी पर आतंकवादियों द्वारा गोलियां चलाने के बाद मुठभेड़ शुरू हो गई थी। बांदीपोरा में आज सुबह इलाके में तलाशी अभियान फिर से शुरू किया गया क्योंकि घने जंगल में और भी आतंकवादी छिपे हो सकते हैं।

पश्चिमी दिल्ली में आग की घटना को लेकर एनजीटी ने दिल्ली सरकार को फटकार लगायी

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने पश्चिमी दिल्ली स्थित एक फैक्टरी में लगी आग के मामले में दिल्ली की आम आदमी पार्टी सरकार को फटकार लगायी और कहा कि प्रशासन ने मानव जीवन के प्रति लापरवाही बरती और पीड़ितों के परिवार को मुआवजा देने के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया। एनजीटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति आदर्श कुमार गोयल की अगुवाई वाली पीठ ने आश्चर्य जताया कि छह लोगों की मौत होने के बावजूद हत्या के प्रयास के अंतर्गत अपराध दर्ज किया गया।

राहुल गांधी ने भारत सरकार के कोविड-19 टीकाकरण की रफ्तार पर सवाल उठाया

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सरकार पर निशाना साधते हुए रविवार को कोविड-19 टीकाकरण की गति पर सवाल किया और कहा कि अगर देश के 'मन की बात' समझी गई होती तो टीकाकरण के ऐसे हालात न होते। उनकी टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात'कार्यक्रम से ठीक पहले आई। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष गांधी ने एक ट्वीट में कहा, ''अगर समझते देश के मन की बात, ऐसे न होते टीकाकरण के हालात।'' उन्होंने टीकाकरण की गति पर सरकार से सवाल पूछने के लिए 'व्हेयर आर वैक्सीन' हैशटैग का इस्तेमाल किया।

महाराष्ट्र में भूस्खलन की घटनाओं के बाद 73 शव बरामद, 47 लोग लापता : एनडीआरएफ

नयी दिल्ली। महाराष्ट्र के तटीय क्षेत्रों में भारी बारिश के कारण हुईं भूस्खलन की घटनाओं के बाद 73 शव बरामद किए गए हैं और 47 लोग लापता हैं। राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) ने रविवार को यह जानकारी दी। बल के महानिदेशकएस एन प्रधान ने राज्य के रायगढ़, रत्नागिरी और सातारा जिलों में चलाए जा रहे अपने अभियान पर ताजा आंकड़ों की जानकारी ट्वीट के माध्यम से दी। आंकड़ों के अनुसार, एनडीआरएफ ने इन इलाकों से कुल 73 शव बरामद किए हैं जिनमें से सबसे अधिक 44 शव रायगढ़ की महाड तहसील के सबसे अधिक प्रभावित तलीये गांव से बरामद किए गए हैं। दोपहर 12 बजकर 19 मिनट पर किए गए ट्वीट के अनुसार, इन तीन जिलों में 47 लोग लापता हैं।

यह येदियुरप्पा के लिए वर्तमान अनिश्चितता और भाजपा के लिए भविष्य का मामला

बेंगलुरु। कर्नाटक में सोमवार को भाजपा सरकार की दूसरी वर्षगांठ है। हालांकि, ऐसे मौकों से जुड़ी उल्लास की हवा के बजाय, सतह के नीचे एक नर्वस तनाव सुलगता नजर आ रहा है। कोविड महामारी ने निश्चित रूप से सार्वजनिक समारोहों पर पाबंदी लगा दी है, लेकिन यह कर्नाटक में एक अलग कहानी है। राष्ट्रीय राजधानी की उनकी हालिया यात्रा और प्रधानमंत्री सहित पार्टी के शीर्ष नेताओं के साथ बैठक के बाद, बी.एस. येदियुरप्पा का जाना तय है। यहां तक कि हाल तक ऐसी संभावना से इनकार करते रहे मुख्यमंत्री ने भी कहा कि वह इस मामले में आलाकमान के आदेश का इंतजार कर रहे हैं। लोगों और राजनीतिक पर्यवेक्षकों के मन में यह सवाल है कि क्या मुख्यमंत्री बी.एस. येदियुरप्पा पद पर बने रहेंगे या नहीं? इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि राज्य में भाजपा के राजनीतिक भविष्य का क्या होगा। कभी दक्षिण भारत में भाजपा का प्रवेश द्वार माने जाने वाले कर्नाटक ने पार्टी को विफल नहीं किया है। 90 के दशक के उत्तरार्ध से, कम से कम तीन मौकों पर सरकार बनाने के लिए, पार्टी ने लगातार पैठ बनाई। आज, पार्टी कर्नाटक के त्रिकोणीय राजनीतिक क्षेत्र में एक स्थायी स्थिरता है, जिसमें कांग्रेस, जनता दल (सेक्युलर) और भाजपा शामिल हैं। हालांकि, नवीनतम दौर की अटकलों और राज्य में मुख्यमंत्री येदियुरप्पा के भविष्य को लेकर सार्वजनिक रूप से बेदखल होने ने पार्टी को संकट में डाल दिया है। वास्तविकता यह है कि भाजपा को एक नए मुख्यमंत्री की जरूरत है, लेकिन वह येदियुरप्पा को खोने का जोखिम नहीं उठा सकती। यह एक ऐसा जुआ है जिसे खेलने के लिए आलाकमान तैयार है। दक्षिण भारतीय राज्य में भाजपा की सफलता की कहानी में येदियुरप्पा की महत्वपूर्ण भूमिका से इनकार नहीं किया जा सकता है। कांग्रेस और जनता परिवार के प्रभुत्व वाले क्षेत्र में राजनीतिक स्थान के लिए लड़ने की चुनौतियों से बेपरवाह, येदियुरप्पा ने सड़कों पर, विधानमंडल में, हर जगह सामने से भाजपा का नेतृत्व किया। पार्टी को किनारे से कर्नाटक की वास्तविक राजनीति के केंद्र में ले जाने का श्रेय उन्हें ही जाता है।

प्रधानमंत्री मोदी के साथ बैठक के बाद आगे कोई नतीजा नहीं निकला : फारुख अब्दुल्ला

श्रीनगर। (एजेंसी)।

जम्मू-कश्मीर के मुख्यधारा के नेताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात के एक महीने बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के अध्यक्ष फारुख अब्दुल्ला ने रविवार को कहा कि जमीनी स्तर पर 'उसके बाद कोई परिणाम' नहीं दिखे हैं। अब्दुल्ला ने नयी दिल्ली में 24 जून को हुई बैठक में प्रधानमंत्री की ओर से की गई टिप्पणी के संदर्भ में यह बात कही कि वह जम्मू-कश्मीर के लोगों का दिल जीतना चाहते हैं और 'दिल्ली की दूरी' के साथ 'दिल की दूरी' मिटाना चाहते हैं।' पूर्व में तीन बार मुख्यमंत्री रहे अब्दुल्ला ने यहां पीटीआई-से कहा, 'वह स्वागत योग्य बयान था लेकिन लोगों के दिल जीतने के लिए जमीनी स्तर पर कोई प्रयास नहीं हुए। लोगों को हिरासत में लेना जारी है और असहमति को बर्दाश्त नहीं किया जा रहा। हम जमीन पर बदलाव होते हुए देखना चाहते हैं, अपने राज्य के टुकड़े होने, एक ही झटके में उसका विशेष दर्जा छीन लिए जाने के आघात से गुजरे लोगों को वापस जीतने की दिख सकने वाली कोशिश।' उन्होंने कहा, 'एक महीने बाद भी हम उसके आगे के परिणाम देखने का इंतजार कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'विश्वास में दोनों ही पक्ष (दिल्ली और श्रीनगर) की तरफ से कमी है। एक के बाद एक प्रधानमंत्रियों- जवाहरलाल नेहरू, नरसिंह राव, अटल बिहारी वाजपेयी- ने वादे किए लेकिन विश्वास की कमी बनी रही।' तिरासी वर्षीय नेता ने कहा कि वह और उनकी पार्टी दिल्ली की बैठक में इसलिए शामिल हुए क्योंकि यह प्रधानमंत्री से मिला निमंत्रण था।

हालांकि, उन्हें इससे कोई उम्मीद नहीं थी। इसके बावजूद, उन्होंने लोगों के दिलो-दिमाग जीतने के कदम की आशा की थी, लेकिन कुछ नहीं हुआ। अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू -कश्मीर को पूर्ण, निर्विवाद राज्य का दर्जा उसकी विधानसभा के चुनाव से पहले बहाल किया जाना चाहिए। सभी प्रमुख दलों ने मांग की है और केंद्र को उस पर सहमति जताकर अपनी प्रामाणिकता साबित करनी चाहिए। यह पूछने पर कि अगर चुनाव से पहले राज्य का दर्जा नहीं दिया जाता है तो उनकी पार्टी चुनावों में भाग लेगी, नेकां अध्यक्ष ने कहा, 'जब बिगुल फूंका जाएगा हम तब इसका फैसला करेंगे। तब हम विचार करेंगे कि हमें क्या करना चाहिए।' नेकां और उसकी कट्टर प्रतिद्वंद्वी पीडीपी सहित मुख्यधारा के छह राजनीतिक दलों का समूह, गुपकर गठबंधन (पीएजीडी) के भविष्य के बारे में पूछे जाने पर अब्दुल्ला ने कहा कि गठबंधन बरकरार है और 'हम साथ हैं...सभी हैं। हम उससे अलग नहीं हुए हैं।' उन्होंने कहा कि जब पांच अगस्त, 2019 को जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा निरस्त कर दिया गया था तब हमने जल्दबाजी में गठबंधन बनाया था। उन्होंने कहा, 'हम सभी समान विचार वाले लोग हैं, जो एक साथ मिलकर दर्जा बहाल करने के लिए काम करने के लिए एकजुट हुए, यह अच्छी तरह से जानते हुए कि इस सरकार के तहत इसे बहाल नहीं किया जा सकेगा।' अब्दुल्ला ने कहा, 'लेकिन हम लोकतांत्रिक एवं कानूनी तरीके से लड़ते रहेंगे। हमारे बाद भी लोग खड़े होंगे और इसको बहाल करने के लिए काम करेंगे।' अब्दुल्ला ने यह भी बताया कि इस महीने की शुरुआत में परिसीमन आयोग जम्मू-कश्मीर आया था और संसद के किसी भी सदस्य, जो इसके सहयोगी सदस्य हैं, को कार्यवाही देखने के लिए आमंत्रित नहीं किया गया था। वर्तमान में संसद में श्रीनगर का प्रतिनिधित्व करने वाले अब्दुल्ला ने राष्ट्रीय विपक्षी राजनीतिक दलों से उनकी योजनाएं एवं विचारधाराओं को 'भूलने' और लोकतंत्र के स्तंभ को और अधिक मजबूती से स्थापित करने के लिए एकजुट होने की अपील की क्योंकि समय समाप्त हो रहा है।

कारगिल विजय दिवस के मौके पर जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के चार दिवसीय दौरे पर राष्ट्रपति कोविंद

श्रीनगर (एजेंसी)।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के अपने चार दिवसीय दौरे के क्रम में रविवार को यहां पहुंचे। अधिकारियों ने बताया कि

कोविंद सुबह 11 बजकर 15 मिनट पर यहां श्रीनगर हवाईअड्डे पर पहुंचे और जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा तथा पुलिस एवं केंद्रशासित प्रदेश प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। उन्होंने बताया कि 25 जुलाई से 28 जुलाई तक के इस दौरे में राष्ट्रपति सोमवार को कारगिल विजय दिवस की 22वीं वर्षगांठ पर कारगिल युद्ध स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए लद्दाख के द्रास जाएंगे।

इससे पहले 2019 में, खराब मौसम के कारण राष्ट्रपति कारगिल विजय दिवस में हिस्सा लेने के लिए द्रास नहीं जा पाए थे और इसकी जगह उन्होंने यहां बादामी बाग क्षेत्र स्थित सेना की 15वीं कोर के मुख्यालय में युद्ध स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी थी। मंगलवार को, राष्ट्रपति कश्मीर विश्वविद्यालय के 19वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करेंगे। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रपति के दौरे के लिए सुरक्षा इंतजामों के तहत राजभवन (जहां राष्ट्रपति ठहरेंगे) जाने वाले दो मार्गों पर यातायात को रविवार से बुधवार तक के लिए दूसरे मार्गों पर मोड़ दिया गया है। यातायात विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि शहर के कुछ इलाकों में मार्ग परिवर्तन किया गया है।

राजस्थान में मंत्रिमंडल में फेरबदल को लेकर पार्टी नेताओं में कोई विरोधाभास नहीं है : अजय माकन

जयपुर। (एजेंसी)।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) के महासचिव अजय माकन ने रविवार को कहा कि राजस्थान में मंत्रिमंडल में फेरबदल को लेकर पार्टी नेताओं के बीच कोई विरोधाभास नहीं है और उन्होंने फैसले के लिये पार्टी आलाकमान पर भरोसा जताया है। जयपुर में प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में मंत्रियों, विधायकों और पदाधिकारियों से मुलाकात के बाद माकन ने कहा कि सभी नेताओं ने सर्वसम्मति से मंत्रिमंडल फेरबदल का फैसला पार्टी आलाकमान पर छोड़ दिया है। हालांकि, उन्होंने मंत्रिमंडल विस्तार की तारीख का खुलासा नहीं किया।

माकन ने संवाददाताओं से कहा, ''पार्टी नेताओं के बीच कोई विरोधाभास नहीं है और सभी ने मंत्रिमंडल विस्तार का अंतिम फैसला पार्टी आलाकमान पर छोड दिया है।'' जयपुर पहुंचे माकन और एआईसीसी महासचिव (संगठन) के सी वेणुगोपाल ने रविवार सुबह प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पहुंचकर मंत्रियों, विधायकों और पदाधिकारियों के साथ बैठक की। माकन ने कहा कि यह एक अनौपचारिक बैठक थी जिसमें महंगाई, पेगासस जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई। माकन ने बताया कि पार्टी के जिला एवं ब्लाक अध्यक्षों की नियुक्ति को लेकर प्रत्येक विधायक से चर्चा करने लिये वह 28 और 29 जुलाई को पुनः जयपुर आयेंगे।

संजय राउत ने सरकार से पूछा सवाल, पेगासस का वित्तपोषण किसने किया?

मुंबई। (एजेंसी)।

शिवसेना सांसद संजय राउत ने रविवार को पूछा कि पेगासस द्वारा नेताओं और पत्रकारों की कथित जासूसी का वित्तपोषण किसने किया। उन्होंने इसकी तुलना हिरोशिमा परमाणु बम हमले से करते हुए कहा कि जापान के इस शहर पर हमले से लोगों की मौतें हुईं तो वहीं इजराइली सॉफ्टवेयर की जासूसी से 'स्वतंत्रता की मौत' हुई। शिवसेना के मुखपत्र 'सामना' के अपने साप्ताहिक स्तंभ 'रोखठोक' में राउत ने लिखा, '' आधुनिक प्रौद्योगिकी हमें गुलामी की तरह वापस लेकर गई है।'' उन्होंने कहा कि पेगासस मामला 'हिरोशिमा पर परमाणु बम हमले से अलग नहीं है।''

राउत ने दावा किया, ''हिरोशिमा में लोगों की मौत हुई जबकि पेगासस मामले से स्वतंत्रता की मौत हुई।'' उन्होंने कहा कि नेता, उद्योगपति और सामाजिक कार्यकर्ताओं को यह डर है कि उनकी जासूसी की जा रही है और यहां तक कि न्यायपालिका और मीडिया भी इसी दबाव में है। सामना के कार्यकारी संपादक ने कहा, '' राष्ट्रीय राजधानी में स्वतंत्रता का वातावरण कुछ साल पहले खत्म हो गया।'' उन्होंने यह भी पूछा कि इजराइली सॉफ्टवेयर के ज़रिए कथित जासूसी का वित्तपोषण किसने किया।

मीडिया में आई एक रिपोर्ट को उद्धृत करते हुए उन्होंने कहा कि इजराइली कंपनी एनएसओ पेगासस सॉफ्टवेयर के लाइसेंस तौर पर सालाना 60 करोड़ रुपये का शुल्क लेती है। राज्यसभा सदस्य ने कहा कि एक लाइसेंस के जरिए 50 फोन को हैक किया जा सकता है, तो ऐसे में 300 फोन के लिए छह से सात लाइसेंस की जरूरत पड़ेगी।

राउत ने पूछा, '' क्या इतना धन खर्च किया गया? किसने इसका भुगतान किया? एनएसओ का कहना है कि वह अपना सॉफ़्टवेयर सिर्फ सरकारों को बेचता है। अगर ऐसा है तो, भारत में किस सरकार ने इस सॉफ्टवेयर की खरीद की? भारत में 300 लोगों की जासूसी पर 300 करोड़ रुपये खर्च किए गए। क्या हमारे देश के पास जासूसी पर इतना धन खर्च करने की क्षमता है?'' उन्होंने कहा कि भाजपा नेता (और पूर्व केंद्रीय आईटी मंत्री) रविशंकर प्रसाद ने यह कहकर जासूसी को जायज ठहराया कि दुनिया के 45 देशों ने पेगासस का इस्तेमाल किया है। राउत ने दावा कि वे पत्रकार जिन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नीत सरकार की आलोचना की, वह भी जासूसी के निशाने पर थे। एक वैश्विक मीडिया संघ ने पिछले सप्ताह खबर दी थी कि पेगासस स्पाईवेयर का इस्तेमाल मंत्रियों, नेताओं, सरकारी अधिकारियों और पत्रकारों समेत करीब 300 भारतीयों की निगरानी करने के लिए किया गया। इससे देश में एक बड़ा राजनीतिक विवाद शुरू हो गया है। हालांकि, सरकार ने खास लोगों पर किसी भी तरह की निगरानी के आरोप को खारिज कर दिया।

बसपा के राम मंदिर लगाव ने यूपी में मुसलमानों को परेशान किया

लखनऊ (एजेंसी)।

बहुजन समाज पार्टी की ब्राह्मणों को खुश करने की नीति और अयोध्या व राम मंदिर दौरा उत्तरप्रदेश विधानसभा चुनाव में वापसी की रणनीति पर पानी फेर सकता है। सप्ताहांत में अयोध्या से ब्राह्मण सम्मेलन की शुरूआत करने वाले बसपा सांसद सतीश चंद्र मिश्रा ने स्पष्ट रूप से अल्पसंख्यक समुदाय में मतभेद पैदा कर दिया है। अयोध्या में जब मिश्रा मंच पर आए तो जय श्री राम के जयकारे गूंज उठे। बसपा ने राम जन्मभूमि और हनुमान गढ़ी मंदिरों के दौरे के साथ अपने अभियान की शुरूआत की और कहा कि बसपा के सत्ता में आने पर मंदिर का निर्माण किया जाएगा। यह पहली बार है जब बसपा के किसी नेता ने पार्टी के मंच पर अपने हिंदू झुकाव को दिखाया था। अंबेडकर नगर से बसपा नेता मोहम्मद क्रैस ने पूछा, बसपा ने हमें दिखाया है कि यह भाजपा से अलग नहीं है। अयोध्या में पार्टी का एजेंडा स्पष्ट था जब मंच से जय श्री राम के नारे लगे और सतीश चंद्र मिश्रा ने उन्हें नहीं रोका। इसके अलावा, उन्होंने राम मंदिर को गति देने का वादा किया। क्या यह बसपा का 2022 का एजेंडा है?

उन्होंने कहा, हमें नहीं पता कि बहनजी (मायावती) को इस तरह हिंदू कार्ड खेलने के लिए किसने राजी किया है, लेकिन चुनाव में हमें इसकी कीमत चुकानी पड़ेगी। हमारे कार्यकर्ता अभी भी मिले मुलायम-कांशी राम, हवा में उड़ गए जय श्री राम के नारे को याद करते हैं और अब राम के लिए यह अचानक आत्मीयता?

बसपा के बागी विधायक असलम रैनी ने कहा, बसपा अपने विनाश की ओर बढ़ रही है। दशकों के दलितों को लुभाने के बाद, पार्टी अचानक भाजपा की सहायक बन गई है। बसपा पहले ही अपने प्रमुख ओबीसी नेताओं को खो चुकी है। लालजी वर्मा और राम अचल राजभर जैसे वरिष्ठ नेताओं के निष्कासन ने ओबीसी के बीच पार्टी के आधार को कम कर दिया है। अभी तक, बसपा के पास चुनावों में ओबीसी का कोई चेहरा नहीं है।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने अपने कार्यकाल के चार साल पूरे किए

नई दिल्ली। (एजेंसी)।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने रविवार को अपने कार्यकाल के चार साल पूरे कर लिए। इस अवसर पर एक ई-पुस्तक - प्रेसिडेंट कोविड एट फोर का विमोचन किया गया है जिसमें कार्यालय में उनके कार्य पर प्रकाश डाला गया है। राष्ट्रपति भवन ने एक ट्वीट में कहा, राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने आज अपने चार साल पूरे कर लिए हैं। यहां ई-बुक के माध्यम से राष्ट्रपति पद के चौथे वर्ष की कुछ झलकियां दी गई हैं। कोविंद ने 25 जुलाई, 2017 को भारत के 14वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ली थी। ई-बुक में कहा गया है, संविधान के संरक्षक के रूप में, राष्ट्रपति ने मंत्रिपरिषद के सदस्यों और भारत के मुख्य न्यायाधीश को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई, और केंद्र सरकार के 43 विधेयकों और राज्य सरकारों के 20 विधेयकों को स्वीकृति दी। राष्ट्रपति ने सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों में 94 न्यायाधीशों, 12 राज्यों के राज्यपालों, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, मुख्य सूचना आयुक्त, तीन मुख्य चुनाव आयुक्तों, यूपीएससी अध्यक्ष और सतर्कता आयुक्त को भी नियुक्त किया। कोरोना योद्धाओं के प्रयासों की सराहना करते हुए, ई-बुक कहती है, पिछले साल राष्ट्रपति भवन में स्वतंत्रता दिवस पर घर पर स्वागत के लिए, राष्ट्रपति कोविंद ने दिल्ली में काम कर रहे कुछ फ्रंटलाइन कोरोना योद्धाओं को विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया और उनके साहस और समर्पण की सराहना की। ई-बुक में यह भी कहा गया है कि राष्ट्रपति कोविंद ने प्रशिक्षित नर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया, मिलिट्री नर्सिंग सर्विस और प्रेसिडेंट्स एस्टेट क्लिनिक की नर्सों के साथ रक्षा बंधन मनाया। पुस्तक के अनुसार, सशस्त्र बलों के कमांडर के रूप में, राष्ट्रपति ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक का दौरा किया और राष्ट्र की रक्षा के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

सभी पूर्वोत्तर राज्यों की राजधानियां 2023-24 तक विमान, रेल से जोड़ी जाएंगी : अमित शाह

शिलांग (एजेंसी)।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने यहां शनिवार को कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र देश का विकास स्थल होगा और क्षेत्र के आठ राज्यों की सभी राज्यों की राजधानियों को 2023-24 तक हवाईसेवा और रेलवे नेटवर्क से जोड़ा जाएगा। मेघालय की अपनी दो दिवसीय यात्रा के पहले दिन, शाह ने शिलांग के माविय़ोंग में अंतर-राज्यीय बस टर्मिनस सहित कई परियोजनाओं का उद्घाटन किया। उत्तर पूर्वी परिषद (एनईसी) द्वारा वित्त पोषित, आईएसबीटी को 48.31 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया था। गृहमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहले घोषणा की थी कि 2022 से पहले, आठ पूर्वोत्तर राज्यों की सभी राजधानी शहरों को हवाई और रेलवे नेटवर्क से जोड़ा जाएगा। गृहमंत्री ने कहा, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण परियोजनाओं में थोड़ी देरी हुई है, हालांकि परियोजनाएं पाइपलाइन पर हैं। 2023-24 तक क्षेत्र के आठ राज्यों की सभी राज्यों की राजधानियों को हवाई और रेलवे नेटवर्क से जोड़ा जाएगा, हालांकि कुछ राज्यों की राजधानियां पहले से ही जुड़ी हुई हैं। शाह ने कहा कि पूर्वोत्तर राज्यों की कनेक्टिविटी में सुधार करना मोदी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है, क्योंकि कनेक्टिविटी के बिना विकास संभव नहीं होगा। उन्होंने कहा, सभी पूर्वोत्तर राज्यों को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने के लिए सड़क, रेल, हवाई और जलमार्ग नेटवर्क को विकसित करने और आगे बढ़ाने के लिए कार्यों को अत्यंत प्राथमिकता के साथ किया जा रहा है। शाह ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने क्षेत्र के सर्वांगीण विकास और आठ राज्यों के लोगों की आर्थिक समृद्धि के लिए सभी क्षेत्रों में बहुत सारे विकास और कल्याण कार्य किए हैं। गृहमंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार के पास इस क्षेत्र के लिए तीन महत्वपूर्ण फोकस बिंदु हैं- क्षेत्र की संस्कृति और परंपरा का संरक्षण और विकास, पूर्वोत्तर राज्यों के बीच आंतरिक विवादों का समाधान करना और इस क्षेत्र को भारत के लिए एक विकास केंद्र और विकास का गंतव्य बनाना। शाह ने कहा कि पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय सभी पूर्वोत्तर राज्यों के सहयोग से वांछित उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए सभी कदम उठाएगा। गृहमंत्री ने शिलांग से 20 किलोमीटर दूर उमियाम में पूर्वोत्तर अंतरि.क्ष अनुप्रयोग केंद्र (एनईएसएसी) की समीक्षा बैठक की भी अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि एनईएसएसी अंतरिक्ष विज्ञान और प्रौद्योगिकी का उपयोग करके पूर्वोत्तर क्षेत्र के समग्र विकास को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

उन्होंने टीम एनईएसएसी के प्रयासों और समर्पण की सराहना की और आश्वासन दिया कि केंद्र इस क्षेत्र को उन्नत प्रौद्योगिकी सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो पूर्वोत्तर राज्यों के लोगों के जीवन को बदल सकता है। एनईएसएसी की बैठक के बाद शाह ने एक ट्वीट में कहा, वन अंतराल क्षेत्रों का मानचित्रण, बागवानी विकास के लिए भूमि क्षेत्र का विस्तार, आर्द्रभूमि की पहचान और कायाकल्प, बाढ़ के पानी का मोड़ और आजीविका की जरूरतों के लिए बांस संसाधनों का आकलन कुछ प्रमुख विचार हैं, जिन पर बैठक के दौरान चर्चा की गई। एनईएसएसी, जो अंतरिक्ष विभाग और उत्तर पूर्वी परिषद, एक क्षेत्रीय नियोजन निकाय के बीच एक संयुक्त उद्यम है, प्राकृतिक संसाधनों के आकलन सहित विभिन्न विकास परियोजनाओं और योजनाओं को शुरू करने में पूर्वोत्तर राज्यों की सहायता और मार्गदर्शन करता है। सितंबर 2000 में स्थापित, यह सुदूर संवेदन और भौगोलिक सूचना प्रणाली, आपदा प्रबंधन, उपग्रह संचार और अंतरिक्ष और वायुमंडलीय विज्ञान अनुसंधान के क्षेत्रों में अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। सभी आठ पूर्वोत्तर राज्यों के मुख्यमंत्रियों, डोनर मंत्री जी. किशन रेड्डी, केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह, और भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष

के. सिवन ने भी एनईएसएसी समीक्षा बैठक में भाग लिया। शाह ने शिलांग में असम राइफल्स के मुख्यालय का दौरा करने के अलावा उमसावली में क्रायोजेनिक ऑक्सीजन संयंत्र, सोहरा के वहशरी में एक वनीकरण परियोजना, खलीहशनोंग में ग्रेटर सोहरा जल आपूर्ति योजना का भी उद्घाटन किया।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)